



1.86  
26.1.86

# भारत का वार्तालापन

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 118]

लहौर दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 16, 1984/चैत्र 27, 1906

No. 118] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 1984/CHAITRA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

### अम और पुर्ववास मंत्रालय

(अम विभाग)

अधिसूचना

मई दिल्ली, 16 अप्रैल 1984

गान्धारिनि 286(अ) — मजदूरी सदाय (आन) नियम 1956 का जिसे इसमें आगे उक्त नियम कहा गया है, और सशीधन करने के लिए, कलिपण नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार मजदूरी सदाय अधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के माध्यम परिवर्त धारा 26 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग, करने वाला चाहती है उक्त अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (5) की अपेक्षानुसार ऐसे गमी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उक्त संभवित होने की समावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के ग्राफिक में प्रकाशन की तारीख से तीन साल की अवधि की समाप्ति के पश्चात विचार किया जाएगा।

2 ऐसे भाष्यों या सामाचों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उक्त प्रारूप को बायन किसी व्यक्ति द्वारा देखा जाए तो उसके द्वारा विचार करो।

### प्रारूप नियम

मजदूरी संचाय (आन) संशोधन नियम 1983

1 उन नियमों का नाम मजदूरी सदाय (आन) संशोधन नियम 1983 है।

“१ यह नाम निर्दिष्टन (1) वह नियोजित व्यक्ति जो मजदूरी संचाय (आन) संशोधन नियम 1983 के प्रारम्भ की तारीख से मात्र उक्त दिन के भीतर और वह नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्रारम्भ की तारीख से पश्चात नियोजित किया जाता है, साधारणतया ऐसे नियोजन के दिन से भी

वित के भीतर किसी व्यक्ति का नाम निर्देशन करके उसे वे सभी रकमें प्राप्त करते का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय है, किन्तु जो संदर्भ किए जाने से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता ठिकाना न होने के कारण उसे तहीं दी सकी थी या तहीं दी जा सकी है। नियोजित व्यक्ति प्रश्नप घ में नाम निर्देशन करके उसकी दी प्रतियोगिता नियोजक पर, या तो व्यक्ति गत रूप में तामिल करके और उसकी प्राप्ति की उचित रसीद प्राप्त करके या फिर रसीदी रजिस्ट्रीकूट डाक से भेज कर उसकी नामील नियोजक पर करेगा :

परस्त नियोजक, प्रश्नप घ में नाम निर्देशन विनिर्दिष्ट अवधि के अवधान के पश्चात भी स्वीकार कर लेगा यदि उसके माध्य विनाम्ब के उचित आधार प्रस्तुत किए जाएं हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी सामनिर्देशन मुश्यतया इस कारण अविधिमान्य नहीं होगा कि यह ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के अवधान के पश्चात फालून किया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रश्नप घ में नाम निर्देशन की प्राप्ति से तीस वित के भीतर नियोजक, नियोजित व्यक्ति भी, नाम निर्देशन प्रश्नप में यथा उल्लिखित में विशिष्टियाँ वाल के अधिनेत्रों के प्रति निर्देश से सत्यापित कराएगा और प्रश्नप घ में नाम निर्देशन पक्ष की हृषी प्रति जिसे नियोजक ने या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अविकारी ने सम्बन्धान: अनुप्रभावित किया हो, नियोजित व्यक्ति को उससे उसकी प्राप्ति की रसीद लेकर, आपस कर देगा। यह वापसी हस बात की प्रतीक होगी कि नियोजक ने नाम निर्देशन अभिलिखित कर दिया है और नामनिर्देशन की अन्य प्रति नियम 2 ग के उपनियम (1) में विहित रीति में अभिलिखित और फाइल की जाएगी।

(3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति को कोई कुटुम्ब है तो नाम निर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाएगा। यदि कोई नाम निर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में किया जाता है जो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शून्य होगा।

(4) यदि नाम निर्देशन करने नम्बर नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी व्यक्ति के पक्ष में किया जा सकता है किस्तु यदि बाद में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुँन मृत्यु द्वारा समझा जाएगा और नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनने से तीस दिन के भीतर, उपनियम (1) में यथाविनिर्दिष्ट रीति में नियोजक को प्रश्नप घ में दो प्रतियों में एक नया नाम निर्देशन प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित उसी प्रकार लागू होंगे गाने नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नाम निर्देशिती की मृत्यु नियोजित व्यक्ति के पूर्व ने जाती है तो नाम निर्देशिती का हित नियोजित व्यक्ति को प्रतिवर्तित हो जाती है और नियोजित व्यक्ति, नाम निर्देशिती की मृत्यु के दिन से तीस दिन की अवधि के भीतर, इसमें आगे उत्तरदित रीति में, नाम नामनिर्देशन करेगा।

(6) नाम निर्देशन में उपास्तरण की सूचना जिसके अन्तर्गत ऐसे मामले भी हैं जिसमें नामनिर्देशिती की मृत्यु नियोजित व्यक्ति से पहले हो जाती है, सूचना नियोजक को प्रश्नप घ में दो प्रतियों में उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में दी जाएगी और तत्पश्चात उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तन महिला उमी प्रश्नार लागू होंगे मानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी अप्राप्तव्य व्यक्ति को नाम निर्देशन नहीं करेगा।

(8) नाम निर्देशन नए नाम निर्देशन या नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा और यदि वह कांक्षा

नहीं है तो वह उस पर अंगठे का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अंगठे का निशान वा साक्षियों की उपस्थिति में लाएगा जाएगा जो, यथारिपति नामनिर्देशन वा नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचना में इस भाव की एक दोषणा पर भी हस्ताक्षर करेंगे।

(9) नाम निर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचना उस तारीख में प्रभावी होगी जिस तारीख को वे नियोजक को प्राप्त होने हैं।

2g. नाम निर्देशन-रजिस्टर(1) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर में, यथास्थिति, नाम निर्देशन, नए नाम निर्देशन और नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचनाएँ अभिलिखित और फाइल करेगा। नियोजक इस रजिस्टर को प्रश्नप घ में फालानुप्राप्त में रखेगा।

(2) नियोजक नाम निर्देशन रजिस्टर अद्वान रूप में रखेगा और स्थायी रूप में उसे कार्यस्थल पर रखेगा या यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखते हैं तो वह एसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रारंभिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस निमित्त अनुमोदित करे।

4. उसने नियमों के नियम 6 के उपनियम (1) में प्रत्येक रजिस्टर शब्दों के पूर्व "नाम निर्देशन रजिस्टर में भिन्न" शब्द छोड़ दिए जाएँगे।

5. विशेषान नियम 9 को उपनियम (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और निम्नलिखित उपनियम, नियम 9 के उपनियम (2) के रूप में अल्पस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(2) मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित प्राधिकारी होगा जिसके पास, अधिनियम की धारा 25 की उपस्थारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नियमित किए जाने के लिए अपेक्षित रकम विकास की जाएगी और वह हस प्रकार नियमित रकमों से नियम 14क में विहित रीति में बदलेगा।

6. नियम 19 के पश्चान निम्नांगिविषय नियम भ्रम स्थापित किए जायेंगे अर्थात् :-

"19क अमंविलिखित संज्ञाएँ की रकम का नियोग—

(1) यदि किसी शब्द ये नियोजित व्यक्ति मजदूरी के रूप में देय मध्ये उसके अन्तर्गत रह जाए है कि या तो नियाजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमे देय हो जाने वाली नामी द्वारा संकेतित व्यक्ति के नाम निर्वेशिती को फिसी कारणवश संकेत नहीं की जा गई है तो नियोजक ऐसी सभी रकमें, उसके एक वर्ष की अवधि के अन्तिम दिन के पश्चात से पन्द्रह दिन के अवधान में यून मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियमित कर देगा।

(2) नियोजक उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रकमे मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिनी के पक्ष में भारत में किसी अनुमोदित बैंक से प्राप्त नाम माग देय द्वापट द्वारा नियमित करेगा और ऐसा मांगदेव द्वापट मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को, प्रश्नप 6क में सुनियन झोरोंगे के माध्य, रजिस्ट्रीकूट डाक से भेजेगा और उसके साथ ही उसकी एक प्रति संवेदित प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) वो भी भेजेगा।

19क. रकमों को बदलने की रीति :-

(1) मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 19क ये अधीन नियमित रकमों का उपयोग ऐसे उपयोग के अन्तर्गत व्यक्ति को पूरा करने के लिए करेगा जो उसकी गत ५ वर्षों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए आवश्यक वाले भी भावीजीन हैं और विशिष्ट-

उनका उपयोग खानो में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा, अर्थात् :-

- (i) शैक्षिक सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ;
- (ii) आमोद-प्रमोद से संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार;
- (iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और सुधार ।
- (iv) आवासायिक, प्रशिक्षण तथा अशक्त और विकलाग व्यक्तियों के पुनर्वाप की व्यवस्था और सुधार ;
- (v) परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ।

(2) किसी खान के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी खान में नियोजित व्यक्तियों के लिए व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भागतः कर सकता है परन्तु यह तब जब उसका यह समाधान हो जाए कि संबंधित व्यक्ति ने ०.५ व्यय उपनियम (1) में विविदिष्ट किसी संवादाविक प्रयोजन के लिए ही वस्तुतः उपगत किया है ।

7. उक्त नियमों के प्रकृत ५ मैट्रीक्युलेशन

- (क) मद ३ के छाप्ट (क), (ख) और (छ) तथा मद ४ और ५ में प्रयुक्त “1000” इकाओं के स्थान पर, “1600” इकाएँ रखें जाएँगे;
- (ख) मद ७ के पश्चात, निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

“८. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियिप्त असंचितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

मामलों की संख्या	रकम
१,६०० रु. प्रति मास से कम पाने वालों व्यक्ति	

- (क) वे मामले जिनमें नामनिर्देशन न होने के कारण मजदूरी असंचितरित रह गई हैं।
- (ख) वे मामले जिनमें मजदूरी नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नाम निर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारणबास संदर्भ नहीं की जा सकती है।

8. उक्त नियमों के प्रकृत ७ मैट्रीक्युलेशन

- (क) मद १ में “200” इकाओं के स्थान पर, “1600” इकाएँ रखें जाएँगे।
- (ख) मद ९ की उपमद (2) के छाप्ट (क) में “प्रति रुपया नींवेसे” इकाओं के स्थान पर “उस मजदूरी प्रवधि के संबंध में किसमें जुमाना अधिरोपित किया गया है, उसे देय मजदूरी के ९ प्रतिशत” शब्द रखे जाएँगे;
- (ग) मद १२ में “केन्द्रीय सरकार” इकाओं के पश्चात “या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएँगे;
- (घ) मद १२ के पश्चात निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी अर्थात्-

“१२-क, नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से ऐसी किसी निधि में, जो या तो नियोजक ने या व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ ने, नियोजित व्यक्तियों या उनके बदूम्ह के सदस्यों, या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय सरकार ने, या इस नियिप्त उमके द्वारा विनिष्टि किसी प्रविधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिदान के संबंध के लिए कटीयों ऐसे अनुमोदन के बने रहने के दौरान की जा सकती हैं;

(३) मद १४ के पश्चात, निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात्—

- “१४-क. नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से, व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ की सदस्यता के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय फीसों के संदाय के लिए कटीयों की जा सकती है”;
- (ब) मद १५ में, “केन्द्रीय सरकार” इकाओं के पश्चात “या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएँगे;
- (छ) मद १९ के पश्चात निम्नलिखित शब्द और मदें अन्तः स्थापित की जाएगी अर्थात्—

“असंचितरित मजदूरी का संदाय

- (१५) (१) यदि मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमों का संदाय, ऐसे संदाय से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु कहो जाने के कारण उसका पता ठिकाना जात न होने के कारण नहीं किया जा सका है या नहीं किया जा सकता है तो ऐसी रकमों का संदाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा जिसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस नियिप्त नामनिर्देशित किया है।
- (२) यदि मजदूरी इस कारण असंचितरित रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशित नहीं किया है या ऐसी रकमे नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशितों को, ऐसी रकमों के देय होने की तारीख से एक वर्ष के अवधान के पश्चात तक, संदर्भ नहीं की जा सकती हैं तो नियोजक ऐसी असंचितरित मजदूरी की सभी रकमें, उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात से १५ दिन के अवधान से पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई विली के पास नियिप्त कर देगा।

नियिप्त रकमों को बरतने की रीति

- (१६) (१) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), अपने पास नियिप्त असंचितरित मजदूरी की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के संबंध में व्यय की पूरा करने के लिए करेगा जो खानों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की प्रभित्वा करने के लिए किए जाते हैं और विशिष्टित : उनका उपयोग खानों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए किए गए उपायों, उत्ताहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की लिंगा, आमोद-प्रमोद और परिवहन सुविधाओं परिवार नियोजन और परिवार कल्याण, व्यवसायिक प्रशिक्षण और अशक्त तथा विकलाग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सुधार कार्य की पूरा करने के लिए किया जाएगा।
- (२) किसी खान के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी खान में नियोजित व्यक्तियों के लिए व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, ऐसे प्रकार उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भागतः कर सकता है।

[सं० एस० ३१०१२ / ८ / ८२ डब्ल्यू००सी० (पी० डब्ल्यू०)]

प्रलृप या

[नियम २ या का उपनियम (१) देखिए]

नामनिर्देशित

सेपा में,

(गहां खान का नाम और पूरे पते के साथ नियोजक का नाम और पता दीजिए)

में .....  
पूरा नाम

जिसकी विशिष्टिया नीचे विवरण में दी गई हैं, नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुश्त्रे देय सभी रकमें उस वशा में प्राप्त करने के लिए, करता हूँ जब ऐसी रकमें उन के संवाय से पूर्व मेरी मत्तू हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना जान न होने के कारण मुझे संदर्भ न की जा सकी हो या संदर्भ न की जा सकती हैं।

2. मैं अमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह मजदूरी संदाय (आत) नियम, 1956 के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3 मैं बोधया करता हूँ कि उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य में मेरा कोई कुटुम्बी बन जाता है तो उक्त नामनिर्देशन शून्य हो जाएगा और उस दशा में प्रस्तुत ग में एक नया नामनिर्देशन कहँगा।

4. (क) मेरे पिता /माता / माता-पिता मुझ पर आधित नहीं है।

(ख) मेरे पति के पिता/ माता माता-पिता मेरे पति पर आधित नहीं है।

#### नामनिर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम और पता	नियोजित व्यक्तियों के नामनिर्देशिती की आयु साथ नामनिर्देशिती की नावेदारी	
1	2	3

#### विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. वर्ष
4. क्या अविवाहित / विवाहित / विधवा / विषुर है
5. उस विभाग / शाखा / अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है:
6. धारित पर सथा दिक्षिट संलग्नक मा ऋम संलग्नक, यदि कोई है।
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता:
9. स्थायी पता:

प्राम— आता—उपर्युक्त—

इकाइयाना—जिला—

राज्य—

स्थान—

तारीख— नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर / शंखु का निशान  
साक्षियों द्वारा बोधणा

नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए / शंखु का निशान  
लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता— साक्षियों के हस्ताक्षर

1. \_\_\_\_\_ 1.

2. \_\_\_\_\_ 2.

स्थान—

तारीख—

#### नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हे कम सख्तांक पर प्रस्तुत ३० मे नामनिर्देशन रजिस्टर मे प्रमिलित कर दिया गया है।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के  
हस्ताक्षर

स्थान— पद नाम

तारीख— आता का नाम और पता या उसकी रख हुआ

#### नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्रस्तुत यह में फाईल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्प्रक्षतः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान— नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर  
तारीख—

टिप्पणी—जोड़े शब्द या पैरा सामूहिक होते हैं उन्हे काट दोजिए।

#### प्रस्तुत ग

[नियम 2 वा का उपनियम (4) वैक्लए]

नया नामनिर्देशन

सेवा में,

(यहाँ आत के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मैं \_\_\_\_\_ जिसकी विशिष्टिया नीचे विवरण  
(पुरा नाम)।

मैं यही गई है। यह कथन करता हूँ कि मजदूरी संदाय (आत) नियम, 1956 के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में नीचे उपलिखित रौप्ति में सारीकृत से मेरा कुटुम्ब बन गया है। अतः मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नाम नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमें उस वशा में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब ऐसी रकमें उनके संवाय से पूर्व मेरी मत्तू हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना जात न होने के कारण मुझे संदाय न की जा सकी हो या संदर्भ न की जा सकती हैं।

2. मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3. (क) मेरे पिता / माता / माता-पिता मुझ पर आधित नहीं है।

(ख) मेरे पति के पिता / माता / माता-पिता मेरे पति पर आधित नहीं है।

#### नाम निर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम और पता	नियोजित व्यक्तियों नाम निर्देशिती की क साथ नामनिर्देशिती आयु की नावेदारी	
1	2	3

**"कुटुम्ब" बन जाने की रीति**

(यहां इस बाबत और दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अर्थात्, विवाह द्वारा या माता-पिता के आश्रित हो जाने के कारण या दस्तक ग्रहण जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

**विवरण**

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. वर्ष
4. क्या अविवाहित/विवाहित/विवेचा/विशुर है
5. उस विभाग/शाखा/अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा टिकट संख्याक या कम संख्याक यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

ग्राम \_\_\_\_\_ याता \_\_\_\_\_

उप छाप्ठ \_\_\_\_\_ डाकखाना \_\_\_\_\_

जिला \_\_\_\_\_ राज्य \_\_\_\_\_

स्थान \_\_\_\_\_ नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर  
तारीख \_\_\_\_\_ अंगूठे का निशान

**साक्षियों द्वारा घोषणा**

नए नामनिर्देशन पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- 1.
- 2.
- 3.

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

**नियोजक का प्रमाणपत्र**

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें कम संख्या \_\_\_\_\_ पर प्रस्तुप ड० में नामनिर्देशन रजिस्टर में, अधिसिखित कर लिया गया है।

नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के  
हस्ताक्षर

पत्राम

खात का नाम और पता या उसकी  
खबू मुद्रा

स्थान \_\_\_\_\_  
तारीख \_\_\_\_\_

**नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति**

मेरे द्वारा प्रलेप ग में फाईन किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक के सम्यकतः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

**नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर**

टिप्पण :—जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

**प्रस्तुप घ**

(नियम 2 व का उपनियम (6) देखिए)

नामनिर्देशन का उपान्तरण

सेवा में,

(यहा खात का नाम और पूरे पते नहिं नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मैं, \_\_\_\_\_ जिसकी विशिष्टिया नीचे दी गई है,  
(पूरा नाम)

सूचना देता हूं कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख \_\_\_\_\_  
को फाईल किया है और जिसे आपके निर्देश सं० \_\_\_\_\_ पर<sup>०</sup>  
तारीख \_\_\_\_\_ को अधिसिखित किया गया है,  
उसमें निम्नलिखित रूप से उपान्तरण किए जाएंगे :—

(यहा आशयित उपान्तरणों के बीच दीजिए)

**विवरण**

1. नियोजत व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. वर्ष
4. क्या अविवाहित / विवाहित / विवेचा विशुर है
5. उस विभाग शाखा अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा टिकट संख्या या कम संख्यक, यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

ग्राम \_\_\_\_\_ याता \_\_\_\_\_

उपखण्ड \_\_\_\_\_ डाकखाना \_\_\_\_\_

जिला \_\_\_\_\_ राज्य \_\_\_\_\_

**नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर /  
अंगूठे का निशान**

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

**साक्षियों द्वारा घोषणा**

उपान्तरित नामनिर्देशन पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए/अंगूठे  
का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- 1.
- 2.

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

## नियोजक का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपान्तरण अधिलिखित कर लिए गए हैं और उन्हें प्रस्तुप डॉ में नामनिर्देशन रजिस्टर में कम संख्याके पर अधिलिखित और प्रविष्टि कर लिया गया है।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर  
पदनाम

खान का नाम और पता या उमर्सों  
रबड़ मुद्रा

स्थान \_\_\_\_\_  
तारीख \_\_\_\_\_

खान का नाम और पता.....

## नियोजित व्यक्ति की अधिस्थीकृति

मेरे द्वारा प्रस्तुप घ में फाईल किए गए नामनिर्देशन का द्वितीय प्रति, जिससे नियोजक ने सम्यक्त प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त करा।

## नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

टिप्पणः— जो शब्द या वेरा लायू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

## प्रस्तुप डॉ

[नियम 2ग का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन रजिस्टर

नियोजक का नाम और पता.....

## भाग-1

कम से	नियोजित व्यक्ति का नियोन की प्रस्तुप घ में प्रारम्भ में नाम- नाम और पूरा पता प्रकृति	प्रस्तुप घ में नामनिर्देशित किए गए नाम- निर्देशित किए गए नाम- निर्देशित की नाम और पूरा पता सथा तारीख	प्रस्तुप घ में किए गए नाम- गए पश्चात्यर्ती नामनिर्देशित की सूचनाओं में शिती का नाम और पूरा के उपान्तरणों के बद्दि बोई पता सथा तारीख है, और और सारीष	टिप्पणिया
1	2	3	4	5
				6
				7

## भाग-2 विविष्ट

इसमें प्रस्तुप घ में किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन की, प्रस्तुप घ में किए गए प्रत्येक नए नामनिर्देशन तथा प्रस्तुप घ में नामनिर्देशन में किए गए उपान्तरण की सूचना की एक-एक प्रति भाग 1 में उपवर्णित कम के अनुसार होगी।

## प्रस्तुप 6 क

[नियम 19 का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक :

रजिस्ट्रीकूर्स

(यहाँ नियोजक का नाम और पूरा पता दीजिए)

सेवा में,

मुख्य अम आयुक्त (केंद्रीय),  
अम निवेशी भवन, रफी भार्ता,  
नई विल्ली-110001

विषयः—असंवितरित मजदूरी की रकम का नियोप

महोदय,

मजदूरी संवाय (खान) नियम, 1956 के नियम 19क के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के अधीन यथाविधित रूप में मैं से आपके पश्च में अधिप्राप्त (बैंक का नाम और पता लिखिए)

रूप का कास मागदेय छापट

(अंकों में) (शब्दों में)

सं० \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_  
(सं० का उल्लेख कीजिए) (तारीख का उल्लेख कीजिए)

ऊपर उल्लिखित रकमें वे रकमें हैं जो

(खान का नाम और पता लिखिए)  
में नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी के रूप में देय हैं तब जो नियोजित

व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणवशः नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने अपने नामनिर्देशिती (नाम निवेशितियों) को ऐसी रकम यवत्त न को जा सकने के कारण अविवरित रह गई है। सुरक्षत और नीचे शिये गए हैं :-

1. सुरक्षत मजदूरी अवधि की विविधिया

(मजदूरी अवधि के बारे दीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें नाम-

निर्देशन न होते के कारण,  
नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप  
में देय सभी रकमें अविवरित रह  
गई हैं

(ऐसे मामलों का संबन्ध नियिए)

3. मद 2 में विविष्ट मामलों में

असंवितरित मजदूरीयों की कुल  
रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें

मजदूरी के रूप में किसी नियो-  
जित व्यक्ति को देय सभी रकमें,  
नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों)  
द्वारा नामनिर्देशन व्यक्ति (व्यक्तियों)  
को, संवत्त नहीं को जा सकती हैं।

(ऐसे मामलों की संख्या लिखिए)

[भाग II—खंड 3(i)]

5. मद 4 में निर्दिष्ट मामलों में असंवितरित मजदूरी की कुल रकम	(अंकों में)	(शब्दों में)
6. मद 3 और 5 में निर्दिष्ट अन्य विवरित मजदूरी की कुल रकम	(अंकों में)	(शब्दों में)
		भवदीय
		नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
स्थान		पदमान
तारीख		आग का नाम और पता या उपकी रबड़ स्टाम्प
एक प्रति जिसके साथ संलग्न नहीं है, जानकारी के लिए प्रादेशिक अम आयुक्त (केन्द्रीय)	(पता)	को प्रेषित की गई।
		नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर पतनाम
स्थान		आग का नाम और पता या उपकी रबड़ मुद्रा
तारीख		

## MINISTRY OF LABOUR &amp; REHABILITATION

(Department of Labour)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 1984

G.S.R. 286(E):—The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Mines) Rules 1956 herein-after referred to as the said rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of Section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act, 1936 (4 of 1936), is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

## DRAFT RULES

## The Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983

1. These rules may be called the Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983.

2. In rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956,—

(a) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

"(bb)" Chief Labour Commissioner (Central) "means an officer appointed as such by the Central Government",

After clause (g), the following clause shall be inserted, namely :—

"(gg) "family" means,—

(i) in case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and his deceased sons, widows and children;

(ii) in case of a female employed person, her husband, her children, whether married or unmarried, her dependent parents, her husband's dependent parents and her deceased sons", widows' and children".

3. After rule 2A, the following rules shall be inserted namely :—

"2B Nominations.—(1) In case an employed person is already in employment on the date of commencement of the Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983 ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed, shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of his death before the payment, or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form B and submitted in duplicate by the employed person by personal service, after taking proper receipt thereof or by sending through registered post with acknowledgement due to the employer.

Provided that nomination in Form B shall be accepted by the employer even after the expiry of the specified period, if filed with reasonable grounds for delay and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

(2) Within 30 days of the receipt of the nomination in Form B under sub-rule (1), the employer shall get the service particulars of the employed person, as mentioned in the form of nomination, verified with reference to records of the mine and returned to the employed person, after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form B duly attested either by the employer or an officer authorised in this behalf by him, as a token of recording of the nomination by the employer and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 2C.

(3) If an employed person has a family at the time of making a nomination, the nomination shall be in favour of a person belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family, shall be void.

(4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employer person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1), submit a fresh nomination in duplicate in Form C to the employer and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub rule (1).

(5) If the nominee pre-deceases the employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall, within a period of thirty days from the death of the nominee, make fresh nomination in the manner hereinafter provided for.

(6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person, shall be submitted in duplicate in Form D to the employer in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub rule (1).

(7) The employed person shall not nominate a person who is a miner.

(8) A nomination, a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or, if illiterate, bear his thumb impression in the presence of two witnesses who shall also sign a declaration to that effect in the nomination, fresh nomination, or a notice of modification of nomination as the case may be.

(9) A nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the employer.

**2 C. Register of nominations.**—(1) The employer shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations, as the case may be, in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the employer in Form E.

(2) The register of nominations shall be maintained by the employer upto date and kept permanently at the work spot or where the employer experiences difficulty in keeping them at the work spot, at any other suitable place, as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

4. In sub-rule (1) of rule 6 of the said rules, after the words, 'Every register' the words, 'other than the register of nominations, shall be added.

5. The existing rule 9 shall be re-numbered as sub-rule (1) and the following sub-rule shall be inserted as sub-rule (2) of rule 9, namely :—

"(2) The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act, shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 19B".

6. After rule 19, the following rules shall be inserted, namely :—

**"19A. Deposit of amounts of undisbursed wages.**—(1) Where all amounts payable as wages to person employed in a mine remains undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reasons such amounts could not be paid to the nominee of the employer person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the employer through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi, and such demand draft shall be submitted by the employer to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form VI-A by registered post simultaneously endorsing its copy to the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

**19B Manner of dealing with the amounts.**—(1) The amount deposited under rule 19A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which, in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed in mines and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in the mines directed towards,—

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- (v) the provision and improvement of transport facilities.

(2) The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by an employer in relation to a mine or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 of persons employed in a mine may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion, provided he is satisfied that the expenditure has been actually incurred by that person for the bonafide purpose specified in the sub-rule (1)".

7. In Form V of the said rules,—

(a) for the figure "1,000" appearing at items 3(a), (b) and (d) and items 4 and 5, the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) after item 7, following item shall be inserted namely :—

"8. No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central):

Persons receiving less than Rs. 1,600 per month

No. of cases	Amount
--------------	--------

(a) Cases in which wages remained undisbursed for want of nomination.

(b) Cases in which wages could not be paid to person nominated by employed persons(s) for any reason."

8. In Form VII of the said rules—

(a) at item 1, for the figures, "200" the figures "1600" shall be substituted :

(b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words, "naye paise in the rupee", the words, "per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed" shall be substituted ;

(c) at item 12, after the words, "Central Government" the words and brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added ;

(d) after item 12, the following item shall be inserted, namely—

"12-A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the employer or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the members of their families or both, and approved by the Central Government or any officer specified by it in this behalf, during the continuance of such approval".

(e) after item 14, the following item shall be inserted, namely—

"14-A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926;"

(f) at item 15, after the words, "approved by the Central Government", the words and the brackets "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added before the words, "or to the postal insurance";

(g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely—

#### PAYMENT OF UNDISBURSED WAGES

**19A(1).** If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account of his death before payment or on account of his whereabouts not being known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remains undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reasons such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages shall be deposited by the employer with the Chief

Labour Commissioner (Central) New Delhi before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

Manner of dealing with deposited amounts

19B. (1) The amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed in mines particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in mines such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare, including family planning, vocational training, and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by an employer in relation to a mine or a trade union or persons employed in a mine, registered under Trade Unions Act, 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

[No. S-32012/8/82-WC(PW)]

**Form B**

[See sub-rule (1) of rule 2B]

Nomination

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the mine)

I.....  
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form C.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

Name and address of the nominee	Nominees relationship with the employed person	Age of nominee
(1)	(2)	(3)

Statement

1. Name of the employed person in full
2. Sex
3. Religion
4. Whether unmarried/married/widow/widower
5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket number or, serial number if any
7. Date of appointment

8. Present address.

9. Permanent address.

Village..... Thana..... Sub-division....

Post office..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb impression of the  
Date..... employed person

Declaration by witnesses

Nominator signed/thumb-impressed before me.

Name in full and full address of Signature of witnesses;

1. ....  
2. ....

Place.....

Date.....

Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form E at serial No.....

Signature of the employer/  
officer authorised

Place..... Designation

Date..... Name and address of the mine  
or rubber stamp thereof

Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of nomination in Form B filled by me and duly certified by the employer.

Place..... Signature of the employed person

Date.....

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

**FORM C**

[See sub-rule (4) of rule 2B]

Fresh nomination

To

(give here name and address of employer together with name and full address of the mine)

I.....  
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules 1956 with effect from.....(date here).....(in the manner indicated below and therefore nominate a fresh the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.  
 (b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

## Nominee

Name and address of the nominee	Nominee's relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3

## MANNER OF ACQUIRING A "FAMILY"

(Here give details as to how a family was acquired, whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process like adoption).

## STATEMENT

1. Name of the employed person in full.
2. Sex.
3. Religion.
4. Whether married/unmarried/widow/widower.
5. Department/Branch/Section where employed.
6. Post held with ticket number or, serial number if any.
7. Date of appointment.
8. Present address.
9. Permanent address.

Village..... Thana..... Sub-division.....  
 Post office..... District..... State.....

Place ..... Signature/thumb impression of  
 Date ..... the employed person

## Declaration of witnesses:

Fresh nomination signed/thumb impressed before me.

Name in full and full address and Signature of witnesses

- 1.
- 2.

Place .....

Date.....

## Certificate by the employer.

Certified that the particulars of the above nomination been verified and recorded in register of nominations in Form E at serial No.....

Signature of the employer/  
 officer authorised

Place.....

Designation

Date.....

Name and address of the mine  
 or rubber stamp thereof

## Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of the nomination in Form-C filed by me and duly certified by the employer.

Signature of the employed  
 person

Place.....

Date.....

Note : Strik out the words and paragraph not applicable.

## Form-D

[See sub-rule (6) of rule 2B]

## Modification of Nomination.

To

(Give here name and address of employer together  
 name and full address of the mine)

I.....  
 (name in full here)  
 Whose particulars are given below hereby give notice that the nomination filed by me on.....  
 and recorded under your reference no.....  
 ..... date..... No.....  
 dated..... shall stand modified in the  
 following manner :—

(Here give details of the modifications intended)

## Statement

1. Name of the employed person in full.
2. Sex.
3. Religion.
4. Whether unmarried/married/widow/widower.
5. Department/Branch/Section where employed.
6. Post held with ticket number or serial number, if any.
7. Date of appointment.
8. Present address.
9. Permanent address.

Village..... Thana..... Sub-division.....

Post office..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb impression of  
 Date..... the employed person. )

## Declaration by witnesses :

Modification of nomination signed/thumb impressed before  
 me.

Name in full and full address of  
 witnesses

Signature of  
 Witnesses

1.

2.

Place.....

Date.....

## Certificate by the employer:

Certified that the above modifications have been recorded and entered into in register of nominations in Form-E at serial No.....

Place.....	Signature of the employee or officer authorised
Date.....	Designation Name and address of the mine or rubber stamp thereof.

## Acknowledgement by the employed person:

Received the duplicate copy of the notice for modifications in Form-D filed by me on duly certified by the employer.

Signature of the employed person

Place.....

Date .....

Note: Strike out the words not applicable.

## FORM-E

[See sub-rule (1) of rule 2C]

## Register of nominations

Name and address of the mine..... Name and address of the employer.....

## PART—I

Serial No.	Name and complete address of the employed person	Nature of employment	Name and complete address of the nominee initially nominated in Form B with date	Name and address of the nominee subsequently nominated in Form C with date	Details of modifications if any specified in the notice of modification of the nomination given in Form D. with date	Remarks
1	2	3		5	6	7

## PART—II

It shall contain one copy each of the nomination in Form B and as the case may be, the fresh nomination in Form C and notice of modification of nomination in Form-D in serial order indicated in Part-I.

## FORM VI-A

[See sub-rule (2) of rule 19A]

From

REGISTERED

(Give here name and complete address of the employer

To

The Chief Labour Commissioner (Central)  
Shram Shakti Bhawan,  
Rafi Marg,  
New Delhi (Pin. 110001).

Subjects:—Deposit of amount of undisbursed wages.

Sir,

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 19A of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956, I enclose the crossed demand draft bearing No..... Dated.....

(mention the number) (Mention the date)

for Rs.....(Rupees.....)

(mention the amount in figures) (mention the amount in word drawn in your favour obtained from.....)

.....(mention the name and the address of the bank.....)

.....The above mentioned amounts represent all amounts payable as wages to persons employed in.....

.....(mention the name and address of the mine) which remained undisbursed because either no nomination had been made by the employed person(s) or for any persons such amounts could not be paid to the respective nominee(s)

of the employed person(s). The relevant details are furnished hereunder.

(1) Particulars of the relevant wage-period .....

(mention the details of the wage period)

(2) No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undisbursed for want of nominations

.....(mention the number of such cases).

(3) Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 2 (mention the amounts in figures) Rs.....(Rupees.....) (mention the amounts in words)

(4) No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, could not be paid to person(s) nominated by employed person(s)

.....(mention the number of such cases)

(5) Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in Item 4 (mention the amounts in figures) Rs.....(Rupees.....) (mention the amounts in words)

(6) Total amounts of undisbursed wages referred to in items 3 and 5. Rs..... (mention the amounts in figures) Rupees..... (mention the amounts in words)

Yours faithfully,

Signature of the employer/ officer authorised

Place .....

Designation

Dated.....

Name and address of the mine or rubber stamp thereof

Copy without enclosures forwarded for information to the Regional Labour Commissioner (Central).....  
(mention the address)

Signature of the employer/officer authorised  
Place..... Designation

Dated..... Name and address of the mine or rubber stand thereof

### अधिसूचना

सां. का० नि० 287(अ) :—मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 का, जिसे इसमें आगे "उक्त नियम" कहा गया है, और संशोधन करते के लिए, कलिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार मजदूरी संदाय प्रधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के साथ पठित धारा 26 की उपधारा (2) और (3) धारा प्रदल्ल शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (5) की अपेक्षानुमार ऐसे मधी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उक्त प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा यह भूवता दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उक्त प्रारूप की भावत किसी व्यक्ति से, प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार में घचार करेगी।

### प्रारूप नियम

मजदूरी संदाय (वायु परिवहन रोवा) संशोधन नियम, 1983

1. इन नियमों का नाम मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) संशोधन नियम, 1983 है।

2. मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2में,—

(क) खण्ड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(गग) मुख्यशम भ्रायुक्त (केन्द्रीय) से, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस रूप में नियुक्त कोई अधिकारी अभियेत है;

(ख) खण्ड (स) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(सम) कुटुम्ब से अभियेत है—

(i) पुरुष नियोजित व्यक्ति के मामले में उसकी पत्नी, उसकी संतानें, जाहे वे विवाहित हैं या अविवाहित, उसके आश्रित माता-पिता और उसके मृतक पुत्रों की विवाहाएं और संतानें;

(ii) स्त्री नियोजित व्यक्ति के मामले में उसका पति, उसकी संतानें, जाहे वे विवाहित हैं या अविवाहित, उसके आश्रित माता-पिता और, उसके मृतक पुत्रों की विवाहाएं और संतानें

3. नियम 3 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

3क. नामनिर्देशन—(1) यह नियोजित व्यक्ति, जो मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) संशोधन नियम, 1983 के प्रारम्भ की तारीख को नियोजन में है, साधारणतया ऐसी तारीख से साठ दिन के भीतर और वह नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्रारम्भ की तारीख के पश्चात् नियोजित किया जाता है, साधारणतया ऐसे नियोजन के दिन से तीन दिन के भीतर, किसी व्यक्ति का नामनिर्देशन करके उसे वे सभी रकमें प्राप्त करते का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय है किन्तु जो संदाय किए जाने से पूर्व, नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने का कारण या उसका पता छिकाना ज्ञात न होने के कारण उसे नहीं दी जा सकी थी या नहीं दी जा सकती है। नियोजित व्यक्ति प्रलूप क में नामनिर्देशन, करके उसकी दो प्रतियाँ नियोजक पर, या तो व्यक्तिगत रूप में तामील करके और उसकी प्राप्ति की उचित स्सीद प्राप्त करके या उसे रसीबी रजिस्ट्रीकूल डाक से भेज कर उसकी तामील करेगा :—

परन्तु नियोजक, प्रलूप क में नामनिर्देशन, ऐसे विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात् भी, स्वीकार कर लेगा यदि उसके साथ चिल्ड्रन के उचित आधार प्रस्तुत किए जाते हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी नामनिर्देशन मुख्यतया इस कारण प्रविधिमात्र नहीं होगा कि वह ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात् फाल किया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रलूप ख में नामनिर्देशन पक्ष की प्राप्ति से तीस दिन के भीतर नियोजक की, नामनिर्देशन प्रलूप में यथा उल्लिखित सेवा विपरिष्ट्यां, वायु परिवहन सेवा के अभिलेखों के प्रति निर्देश से, स्थायित्व करायगा और प्रलूप क में नामनिर्देशन पक्ष की इसी प्रति, जिसे नियोजक ने या उसके द्वारा इस नियम प्राधिकरण किसी अधिकारी ने सम्बन्धतः अनुप्राप्ति किया हो, नियोजित व्यक्ति को उससे उसकी प्राप्ति की रसीद लेकर, वापस कर देगा। यह बापसी इस भात की प्रतीक होगी कि नियोजक ने नामनिर्देशन अभिलिखित कर लिया है और नामनिर्देशन की अन्य प्रति नियम 3के उप नियम (1) में विविहि रीति में अधिलिखित और फाल की जाएगी।

3. (3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब है तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाएगा यदि कोई नामनिर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में किया जाता है जो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शूल होगा।

(4) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी व्यक्ति के पक्ष में किया जा सकता है किन्तु यदि वास्तव में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुरन्त शूल द्वारा समझा जाएगा और नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनने से तीन दिन के भीतर, उपनियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट रीति में नियोजक को प्रलूप में ख में दो प्रतियाँ में एक नया नामनिर्देशन पक्ष प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात् उप नियम (2) के उपबंध यथावश्यक परिवर्तनों महिन उसी प्रकार लागू होंगे भानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नामनिर्देशी की भूल नियोजित व्यक्ति के पूर्व हो जाती है तो नामनिर्देशी का इति नियोजित व्यक्ति को प्रतिवर्तित हो जाएगा और नियोजित व्यक्ति, नामनिर्देशी की मृत्यु के दिन से तीस दिन के अवधि के भीतर, इसमें भानो उपबंधित रीति में, नया नामनिर्देशन करेगा।

(6) नामनिर्देशन में उपातरण की सूचना जिसके अन्तर्गत ऐसे मामले भी हैं जिनमें नाम निर्देशिती की मूल्य नियोजित व्यक्ति में पहुँचे हो जाती है, नियोजक को प्रश्न पर यह में दो प्रतियों में उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में द्वी जाएंगी और तत्परतात् उपनियम (2) के उपवंश व्यावस्थक परिवर्तन सहित उसी प्रकार लागू होंगे मात्र नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी अप्राप्तवय व्यक्ति को नाम-निर्देशित नहीं करेगा।

(8) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपातरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा और यदि वह साक्षर नहीं है तो वह उम पर अपने अंगठे का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अंगठे का निशान दो साक्षियों की उपस्थिति में लगाया जाएगा जो, यथा स्थिति, नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन पत्र में उपातरण की सूचना में इस भाव की एक धोषणा पर भी हस्ताक्षर करेंगे।

(9) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपातरण की सूचना उस तारीख से प्रभावी होगी जिस तारीख को वे नियोजक को प्राप्त होते हैं।

अब, नामनिर्देशन-रजिस्टर (1) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर में, यथास्थिति, नामनिर्देशन पत्र, नए नामनिर्देशन पत्र और नामनिर्देशन पत्रों में उपातरण की सूचनाएं अस्विकृत करेगा। इस रजिस्टर को नियोजक प्रश्न पर यह में कालानुक्रम में रखेगा।

(2) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर घट्यतन रूप में रखेगा और यथागती रूप से उसे कार्यस्थल पर रखेगा या यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखने में कोई असुविधा महसूस करता है तो वह ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस नियम अनुमोदित करे।

4. उक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) में, प्रत्येक रजिस्टर शब्दों के पूर्व नामनिर्देशन रजिस्टर से बिन शब्द जोड़ दिए जाएंगे।

5. विचारात् नियम 9 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

9क. विहित प्राधिकारी—मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित प्राधिकारी होगा जिसके पास, अधिनियम की धारा 25 क की उपलब्धारा (1) के खण्ड (ब) के प्रधीन नियित किए जाने के लिए अपेक्षित रकमें नियित की जाएंगी और वह इस प्रकार नियित की रकमों को नियम 18 अंश में विहित रीति में बरतेगा।

6. नियम 18 के उपनियम (2) में, खण्ड (i) और (ii) का लोप किया जाएगा और खण्ड (iii) तथा (iv) को खण्ड (i) और (ii) के रूप में पुनः संस्थापित किया जाएगा।

7. नियम 18 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

#### 18क. असंवितरित मजदूरी की रकमों का नियोजन—

(1) यदि किसी वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें इस कारण असंवितरित रह जाती है कि या तो नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमें देय हो जाने की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् तक नियोजित व्यक्ति के नामनिर्देशितों को किसी कारण-बाणी संवत नहीं की जा सकी है तो नियोजक ऐसी सभी रकमें, उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात् से पन्द्रह दिन के अवधान से पूर्व नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियित कर देगा।

(2) नियोजक उपनियम (1) में निर्दिष्ट रकमें मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई विली के पक्ष में भारत में किसी अनुग्रहित श्रंक से प्राप्त कामचर मांग देय ड्राफट द्वारा नियित करेगा और ऐसा मांगदेय ड्राफट नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को, प्रश्न पर में सुसंगत व्यापारों के साथ, रजिस्ट्रीकृत लाक से भेजेगा और उसके साथ ही उसकी एक प्रति संबंधित प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को भी भेजेगा।

18-ख रकमों को बरतने की रीति :

(1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 18 के अधीन नियित रकमों का उपयोग ऐसे उपायो के संबंध में उपगत व्ययों को पूरा करने के लिए करेगा जो उसकी राय में वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए आवश्यक या समीचीन हैं और विशिष्टम् उनका उपयोग वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा, अर्थात् :—

- (i) शैक्षिक मुविधाओं की व्यवस्था और सुधार;
- (ii) आमोद-प्रमोद से संबंधित मुविधाओं की व्यवस्था और सुधार;
- (iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और सुधार;
- (iv) व्यावसायिच प्रणिकाण तथा अवकाश और विकलांग व्यक्तियों के पुनर्विसन की व्यवस्था और सुधार;
- (v) परिवहन मुविधाओं की व्यवस्था और सुधार।

(2) किसी वायु परिवहन सेवा के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के देसे व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के प्रधीन रजिस्ट्रीकृत है, उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्विवेकानुमार, पूर्णतः या भागतः कर सकता है परन्तु यह नव तब जब उसका यह समाधान हो जाए कि सवालित व्यक्ति ने ऐसा व्यय उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी सद्भावित प्रयोजन के लिए ही वस्तुतः उपगत किया है।

8. उक्त नियमों के प्रश्न 8 में,—

(क) मद 3 के खण्ड (क), (ख) और (ग) तत्रा मद 4 और 5 में प्रयुक्त “4,00” अंकों के स्थान पर “1,600” अंक रखे जाएंगे;

(घ) मद 7 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

8. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियित असंवितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

1,600 रु० प्रति मास से कम पाने वाले व्यक्ति

मामलों की संख्या	रकम
------------------	-----

(क) वे मामले जिनमें नाम-निर्देशन न होने के कारण मजदूरियां असंवितरित रह गई हैं।

(ख) वे मामले जिनमें मजदूरियां, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारण-बाणी संवत नहीं की जा सकी हैं तो नियोजक ऐसी सभी रकमें,

9. उक्त नियमों के प्रश्न 11 में,—

(क) मद 1 में, 400 अंकों के स्थान पर, 1600 अंक रखे जाएंगे;

(ख) मद 9 की उपमद (2) के खण्ड (क) में, "प्रति स्थाया तो ऐसे" शब्दों के स्थान पर उस मजदूरी अवधिका के सबध में जिसमें जुमाना अधिरोपित किया गया है, उसे देय मजदूरी के 9 प्रतिशत सब्द रखे जाएंगे ।

(ग) मद 12 में, केन्द्रीय सरकार शब्दों के पश्चात् या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे ।

(घ) मद 12 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएगी, अधृतः—

12-क नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से ऐसी किसी निधि में जो या हो तो नियोजक ने या व्यवसाय सघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीफ्लूट किसी व्यवसाय सघ ने, नियोजित व्यक्तियों या उनके कुटुम्ब के सबस्थों या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय सरकार ने या इस निमित उसके हारा विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिदाता के सदाय के लिए कटौतिया, ऐसे अनुमोदन के बने रहने के दौरान भी जा सकती है,

(इ) मद 14 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएगी, अधृतः—

14-क नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से, व्यवसाय सघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीफ्लूट किसी व्यवसाय संघ की सदस्यता के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय फीसों के सदाय के लिए, कटौतिया की जा सकती है;

(च) मद 15 में, केन्द्रीय सरकार शब्दों के पश्चात् या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे,

(छ) मद 19 के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और मदें अंत स्थापित की जाएंगी, अधृतः—

#### असवितरित मजदूरी का सदाय

19-क (1) यदि मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमों का संदाय, ऐसे संदाय से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता छिकाना जान न होने के कारण नहीं किया जा सकता है या नहीं किया जा सकता है तो ऐसी रकम का सदाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा जिसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस निमित नामनिर्देशन किया है।

(2) यदि मजदूरी इस कारण असवितरित रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमे नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशिती को, ऐसी रकमों के देय होने की सारीब से एक वर्ष के अवसान के पश्चात् तक, संवत नहीं की जा सकती है, तो नियोजक ऐसी असवितरित मजदूरी की सभी रकमे उक्त एक वर्ष की अवधि के अतिम दिन के पश्चात् से 15 दिन के अवसान से पूर्व नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली के पास नियोजित कर देगा ।

#### नियोजित रकमों को बरतने की रीत

19-च (1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) अपने पास नियोजित असवितरित मजदूरी की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के सबध में व्यय को पूरा करने के लिए करेगा जो वायु परिवहन सेवा के किसी स्थापनों में नियोजित व्यक्तियों

के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए किए जाते हैं और विणिष्टत उनका उपयोग वायु परिवहन सेवा के किसी स्थापनों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए किए गए उपायों के खर्च को, उवाहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की शिक्षा आवाद-प्रमोश और परिवहन सुविधाओं, परिवार नियोजन और परिवार कल्याण, व्यावसायिक प्रशिक्षण और प्रशक्त तथा विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सुधार कार्य के खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा ।

(2) कि वायु परिवहन सेवा या वायु परिवहन सेवा के सबध में किसी स्थापन में नियोजित व्यक्तियों के किसी ऐसे व्यवसाय सघ के सबध में, जो व्यवसाय सघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीफ्लूट है, किसी नियोजक द्वारा इस प्रकार उपगत व्यय की सबधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), स्वविवेकनसार पूर्णत या भागत कर सकता है ।

[संख्या एस-31012/8/82-डब्ल्यू०सी० (पी० डब्ल्यू०)]

#### प्ररूप क

[नियम 3-क का उपनियम (1) विषिट]

#### नामनिर्देशन

#### सेवा में,

(यहां स्थापन का नाम और पूरे पते के साथ तथा नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मेरे ..... जिसकी विणिष्टियां नीचे विवरण (पूरा नाम)

मेरी दी गई है, नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमे उस दशा में प्राप्त करने के लिए करता है जब ऐसी रकमें, उन के सदाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता छिकाना जान न होने के कारण ऐसी रकमें मझे सदत नहीं की जा सकती है या सदत नहीं की जा सकती है ।

2 में प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2 में खण्ड (झाझ) के अपन्तर्गत मेरे कुटुम्ब का सदस्य है ।

3 में घोषणा करता हूँ कि उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (झाझ) के ग्रन्थ में मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य में मेरा कोई कुटुम्ब बन जाता है तो उक्त नामनिर्देशन शून्य हो जाएगा और उस दशा में मैं प्ररूप खं में एक नया नामनिर्देशन करूँगा ।

4. (क) मेरे पिता/माता/माता-पिता सुझ पर आश्रित नहीं है ।

(ख) मेरे पति के पिता/माता/माता-पिता मेरे पति पर आश्रित नहीं है ।

#### नामनिर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम और नियोजित व्यक्तियों के साथ नामनिर्देशिती की आयु पता नामनिर्देशिती की नातेदारी

1	2	3
1.		
2.		
3.		

## विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित/विवाहित/विवधि/विषुर है ।
5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा निकट संघर्षांक या अम संघर्षांक, यदि कोई है ।
7. नियुक्ति की तारीख
8. बत्तेमान पता :
9. स्थायी पता :

प्राम ..... याना .....  
उप-खण्ड ..... जिला ..... राज्य .....

स्थान ..... नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर  
तारीख ..... अंगठे का निशान

## साक्षियों द्वारा घोषणा

नामनिर्देशन पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए अंगठे का निशान  
लगाया गया ।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता :— साक्षियों के हस्ताक्षर

1.	1.
2.	2.

स्थान .....  
तारीख .....

## नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें अम संघर्षांक पर प्रलूप व में नामनिर्देशन रजिस्टर में अभिलिखित कर लिया गया है ।

नियोजक (प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर)

स्थान .....  
तारीख ..... पतनाम .....  
स्थापन का नाम और पता या उत्तरी उबड़ भुदा

## नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्रलूप क में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति जिसे नियोजक ने सम्मक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की ।

स्थान ..... नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर  
तारीख .....

टिप्पणी—जो सम्बन्ध या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए ।

## प्रलूप-वा

[नियम 3(क) का उपनियम (4) देखिए]

नया नामनिर्देशन

सेवा में

(यहां स्थापन के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मेरे ..... का जिसकी विशिष्टियों नीचे विवरण  
(पूरा नाम)

मैं दी गई हैं, यह कथन करता हूँ कि मजबूरी संदाय (वाढ़ परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2 के अन्त (मास) के अर्थ में नीचे उपलिखित रीति में ..... तारीख से मेरा कुटुम्ब बन गया है । अतः मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नया नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमों उस वशा में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब ऐसी रकमें, उनके रकमों के संदाय से हैं पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना जात न होने के कारण मुझे संदत न की जा सकी है या संदत नहीं की जा सकती है ।

2. मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह उक्त नियमों के नियम 2 के अन्त (मास) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है ।

3. (क) मेरे माता/पिता-माता मुम्ह पर आश्रित नहीं हैं ।

(ब) मेरे पति के पिता माता/माता-पिता मेरे पति आश्रित नहीं है ।

## नाम-निर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम  
और पता

नियोजित व्यक्तियों के साथ नामनिर्देशिती की  
नामनिर्देशिती की नाम-आयु  
दारी

1

2

3

## कुटुम्ब बन जाने की रीति

(यहां इस बाबत क्योरे दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अथवा, विवाह द्वारा या माता-पिता के आश्रित हो जाने के कारण या दत्तक प्रहृण जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

## विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम :

2. लिंग :

3. धर्म :

4. क्या अविवाहित (विवाहित) विवाह/विषुर है :

5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है

6. धारित पद तथा टिकट संघर्षांक या अम संघर्षांक, यदि कोई है :

7. नियुक्ति की तारीख:

8. बत्तेमान पता:

9. स्थायी पता:

प्राम ..... याना ..... उप-खण्ड .....

जाकड़ाना ..... जिला ..... राज्य .....

स्थान ..... नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगठे का निशान  
तारीख .....

नामिया द्वारा घोषणा

नए नामनिर्देशन पर मेरे गमक हस्ताक्षर किए गए। अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता : साक्षियों के हस्ताक्षर

1. 1.
2. 2.

स्थान —————

तारीख —————

#### नियोजक का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देश की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें कम संख्याक ॥ पर, प्ररूप ए में नामनिर्देशन रजिस्टर में, अभिलिखित कर लिया गया है।

नियोजक प्रधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर  
पदनाम

स्थापन का नाम और पता या  
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान —————

तारीख —————

#### नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्ररूप ए में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्मिलित: प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान —————

तारीख —————

टिप्पण — जो शब्द या पैरा जागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप ग

[नियम 3 क का उपनियम (6) देखिए]

नामनिर्देशन का उपास्तरण

सेवा में

(यहाँ स्थापन के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता लिखिए)

मैं ..... जिसकी विशिष्टियों कीचे दी

(पूरा नाम)

गई है, सूचना देता हूँ कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख ..... को फाइल किया है और जिसे आपके निर्देश संख्या ..... पर तारीख ..... को अभिलेख में प्रक्षिप्त किया गया है, उसमें निम्नलिखित रूप में उपान्तरित किए जाएंगे :

(यहाँ आशयित उपान्तरणों के ब्लॉक दीजिए)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम :
2. लिंग :
3. धर्म :
4. क्या अधिशाहित (विवाहित/विवाहा) विधुर है :
5. उस विभाग (शाखा) अनुसार का नाम जिसमें नियोजित है :
6. धारित पद का टिकट संख्यांक या क्रम संख्यान्, यदि कोई है ।
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

ग्राम ..... थाना ..... उपप्रान्ड .....

आक्षणाना ..... जिला ..... राज्य .....

स्थान ..... नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे के निशान

तारीख .....

#### साक्षियों द्वारा घोषणा

उपान्तरित नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया ।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता : साक्षियों के हस्ताक्षर :

- 1.
- 2.

स्थान .....

तारीख .....

#### नियोजक का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपान्तरण अभिनिवित कर लिए गए हैं और उन्हें प्ररूप ए में नामनिर्देशन रजिस्टर में कम संख्याक ॥ पर अभिलिखित और प्रक्षिप्त कर लिया गया है।

नियोजक/प्रधिकृत अधिकारी के

हस्ताक्षर

पदनाम

स्थापन का नाम और पता या  
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान .....

तारीख .....

#### नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्ररूप ग में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्मिलित: प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान .....

तारीख .....

टिप्पण — जो शब्द या पैरा जागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

## प्रकृष्ट ग

[नियम 3 वा का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन रजिस्टर

स्थापना का नाम और पता

नियोजक का नाम और पता

## भाग-I

क्रम सं० नियोजित व्यक्ति का नियोजन की नाम और पूरा पता प्रकृष्टि

प्रकृष्टि के प्रारम्भ में नाम- निर्देशित किए गए नाम- निर्देशिती का नाम और पूरा पता तथा तारीख

प्रकृष्टि ग में किए गए नाम- टिप्पणियाँ निर्देशन के उपास्तरण की सूचनाओं में विविष्ट उपास्तरणों के, परिक्रमा हैं, और और तारीख

1

2

3

4

5

6

7

## भाग-II

इसमें प्रकृष्टि के किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन, प्रकृष्टि ग में किए गए प्रत्येक नए नामनिर्देशन तथा प्रकृष्टि ग में नामनिर्देशन में किए गए उपास्तरण की सूचना की एक-एक प्रति भाग I में उपदर्शित क्रम के अनुसार हैंगी ।

## प्रकृष्टि ग

[नियम 18क का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक :

रजिस्ट्रीकरण

(महा नियोजक का नाम और पूरा पता दीजिए)

सेवा में

मुख्य अम आयुर्वत (केन्द्रीय)

अम शास्त्र ब्रह्मन, रामी भार्ग,

नई विल्सन-110001

विवर—प्रसंशितरित मजदूरी की रकम का लिखिए

वहांवर्ष

मजदूरी सेवाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 18के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के प्रधीन तथा अपेक्षित रूप में आपके पश्च

(वैक का नाम और पता लिखिए)

में अभिभासा ..... रु० का त्राम मांगवेय  
(प्रकृष्टि में) (शब्दों में)क्रापट सेवा ..... तारीख .....  
(रु० का उल्लेख दीजिए)

..... संकरन करता हूँ । (तारीख का उल्लेख दीजिए)

उत्तर उत्तिष्ठान रकम में रकम है जो

(स्थापन का नाम और पता लिखिए)

में नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी के रूप में देय है तथा जो नियंत्रित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणवश, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने-आपने नाम-निर्देशिती (नाम निर्देशितियों) को ऐसी रकम संवत् न की जा सकते के कारण, प्रसंशितरित रह गई है। सुनिश्च और नीचे दिए गए हैं:—

1. सुनिश्च मजदूरी प्रबंधि की विविहितियाँ .....  
(मजदूरी प्रबंधि के व्याप्रे दीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें नामनिर्देशन न होने के कारण नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें प्रसंशितरित रह गई है

(ऐसे मामले की संख्या दीजिए)

3. मव 2 में निविष्ट मामलों में असंशितरित मजदूरियों की कुल रकम

रु० (प्रकृष्टि में) (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें मजदूरीके रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी समस्त रकमें, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को संदर्भ नहीं की जा सकी है:

5. मव 4 में निविष्ट मामलों में ही असंशितरित मजदूरी की कुल रकम

रु० (प्रकृष्टि में) (शब्दों में)

6. मव 3 और 5 में निविष्ट प्राधिकारित-रित मजदूरी की कुल रकम

(प्रकृष्टि में) (शब्दों में)

स्थान .....  
तारीख .....

वहांवर्ष

(नियोजक)  
प्राधिकारित प्राधिकारी के हस्ताक्षर  
पदनाम, स्थापन का नाम और पता  
या उसकी रबड़ मुद्राएक प्रति जिसके माथ संलग्नक नहीं है, जानकारी के लिए प्रावेशिक अम आयुर्वत (केन्द्रीय) .....  
को अप्रेवित की गई ।(पता)  
नियोजक/प्राधिकारित प्राधिकारी के हस्ताक्षर  
पदनामस्थापन का नाम और पता या  
उसकी रबड़ मुद्रास्थान .....  
तारीख .....

## NOTIFICATION

G.S.R. 287(E).—The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968 hereinafter referred to as the said rules, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act 1936 (4 of 1936) is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of the publication of this notification in the official gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

## DRAFT RULES

## Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983.

(1) These rules may be called the Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983.

(2) In rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968, “(a) after clause (c), the following shall be inserted, namely: “(cc) ‘Chief Labour Commissioner (Central)’ means an officer appointed as such by the Central Government;”

(b) after the clause (i), the following clause shall be inserted, namely: “(ii) “family” means—

(i) in case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and deceased sons’ widows’ and children;

(ii) in case of a female employed person, her husband, her children, whether married or unmarried, her dependent parents, her husband’s dependent parents and her deceased sons’ widows’ and children”.

3. After rule 3, the following rules shall be inserted, namely:—

“3A. Nominations. (1) in case an employed person is already in employment on the date of commencement of the Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983 ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of the commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages, if such amounts could not or can not be paid on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form A and submitted in duplicate by the employed person by personal service, after taking proper receipt thereof or by sending through registered post with acknowledgement due to the employer.

Provided that nomination in Form A shall be accepted by the employer even after the expiry of the specified period if filed with reasonable grounds for delay and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

(2) Within 30 days from the receipt of the nomination in Form A under sub-rule (1), the employer shall get the service particulars of the employed person as mentioned in the form of nomination, verified with reference to records of the Air Transport Services and returned to the employed person after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form A duly attested either by the employer or an officer authorised in this behalf by him as a token of recording of the nomination by the employer and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 3B.

(3) If an employed person has a family at the time of making a nomination, the nomination shall be in favour of a per-

son belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family shall be void.

(4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employed person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1) a fresh nomination in duplicate in Form B to the employer and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis, as if it was made under sub-rule (1).

(5) If the nominee predeceases an employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall within a period of 30 days from the death of the nominee make a fresh nomination in the manner hereinafter provided for.

(6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person shall be submitted in duplicate in Form C to the employer in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).

(7) The employed person shall not nominate a person who is a minor.

(8) A nomination or a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or if illiterate, bear his thumb impression in the presence of two witnesses who shall also sign a declaration to that effect in the nomination fresh nomination or a notice of modification of nomination as the case may be.

(9) A nomination, a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the employer.

3B. Register of nominations.—(1) The employer shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations as the case may be in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the employer in Form D.

(2) The register of nominations shall be maintained by the employer up-to-date and kept permanently at the worksite or where the employer experiences difficulty in keeping them at the worksite, at any other suitable place as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

4. In sub-rule (1) of rule 8 of the said rules, after the words ‘Every register’, the words ‘other than register of nominations’ shall be added;

5. After rule 9, the following rule shall be inserted, namely:—

“9A. Prescribed authority.—The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 18B.”

6. In sub-rule (2) of rule 18, the clauses (i) and (ii) shall be deleted and the existing clauses (iii) and (iv) shall be re-numbered as clauses (i) and (ii) respectively.

7. After rule 18, the following rule shall be inserted, namely:—

“18A Deposit of amounts of undisbursed wages.—(1) Where all amounts payable as wages to a person employed in an establishment in relation to air transport services remains undisbursed because either no nomination has been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same

had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the employer through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi and such Demand Draft shall be submitted by the employer to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form E by registered post simultaneously endorsing its copy of the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

18B. Manner of dealing with the amounts.—(1) The amounts deposited under rule 18A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed in an establishment in relation to air transport services and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in establishments in relation to air transport services directed towards,

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- (v) the provision and improvement of transport facilities.

(2) The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by an employer in relation to air transport services or a trade union registered under the Trade Unions Act 1926, of persons employed in air transport services may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion provided he is satisfied that the expenditure has actually been incurred by that person for the bonafide purpose as specified in sub-rule (1)"

8. In Form VIII of the said rules,—(a) for the figures "400" appearing at items 3(a), (b) and (c) and items 4 and 5, the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) after item 7, the following item shall be inserted namely :—

"8 No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) :

Persons receiving less than Rs. 1,600 per month

No. of cases.	Amount

(a) Cases in which wages remained undisbursed for want of nomination.

(b) Cases in which wages could not be paid to persons nominated by the employed person (—) for any reason

9. In Form XI of the said rules,—In item 1, for the figures, "400" the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words, "naye paise in the rupee", the words, 'per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed" shall be substituted;

(c) in item 12, after the words, "Central Government", the words and brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added;

(d) after item 12, the following item shall be inserted, namely :—

"12A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the employer or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the members of their families or both and approved by the Central Government or any officer specified it in this behalf during the continuance of such approval;"

(e) After item 14, the following item shall be inserted, namely :—

"14A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926;"

(f) in item 15, after the words, "approved by the Central Government", the words and the brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added;

(g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely :—

"19A. Payment of undisbursed wages.—(1) If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account of his death before payment or on account of his whereabouts not being known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remain undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages, shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi, before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

19B. Manner of dealing with deposited amounts.—(1) The amounts of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed in establishments in relation to air transport services particularly to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in establishments in relation to air transport services such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare including family planning, vocational training and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by an employer in relation to air transport services of a trade union of persons employed in an establishment in relation to air transport services, registered under the Trade Unions Act 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

## FORM A

[See sub-rule (1) of rule 3A]

## NOMINATION

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I, .....  
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below, hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules, 1968.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form B.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

## Nominee

Name and address of the nominee	Nominee's relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3

## Statement

1. Name of the employed person in full.

2. Sex

3. Religion

4. Whether unmarried/married/widow/widower

5. Department/Branch/Section where employed

6. Post held with ticket No. or serial No., if any

7. Date of appointment

8. Present address

9. Permanent address

Village ..... Thana ..... Sub-division .....

Post office ..... District ..... State .....

Place ..... Signature/thumb-impression of

Date ..... the employed person.

## Declaration by witness.

Nomination signed/thumb-impressed before me.  
Name in full and full address of Signature of witness.

1. ..... 1.  
2. ..... 2.

Place .....  
Date .....

## Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form D at serial No. ....

Signature of the employer/officer authorised.

Place ..... Designation .....

Date ..... Name and address of the establishment or rubber Stamp

Acknowledgement of the employed person.

Received the duplicate copy of nomination in Form A field by me and duly certified by the employer.

Place ..... Date ..... Signature of the employed persons

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

## FORM B

[See sub-rule (4) of rule 3A]

## Fresh nomination

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I, .....  
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968 with effect from ..... (date here) ..... (in the manner indicated below and therefore nominate a fresh the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

## Nominee

Name and address of the nominee	Nominee's relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3

## Manner of acquiring a "family"

(here give details as to how a family was acquired, i.e. whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process like adoption)

## Statement

1. Name of the employed person in full

2. Sex

3. Religion

4. Whether married/unmarried/widow/widower

5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket No. or, serial No., if any
7. Date of appointment
8. Present address
9. Permanent address

Village..... Thana..... Sub-division.....

Date..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb-impression of  
Date..... the employed person.

**Declaration of witnesses**

Fresh nominations signed/thumb-impressed before me  
Name in full and full address of Signature of witnessess

1.	1.
2.	2.

Place.....

Date.....

**Certificate by the employer**

Certified that the particulars of the above nomination have  
been verified and recorded in register of nominations in Form  
D at serial No.....

Signature of the employer/officer  
authorised.

Designation.

Place..... Name and address of the estab-  
lishment or rubber stamp thereof

Date.....

**Acknowledgement of the employed person.**

Received the duplicate copy of the nomination in Form B  
filed by me and duly certified by the employer.

Place..... Signature of the employed person  
Date.....

**Note : Strike out the words and paragraph not applicable.**

**FORM C**

[See sub-rule (6) of rule 3A]

**Modification of nomination**

To

(Give here name and address of employer together with  
name and full address of the establishment).

I,.....

(name in full here)

Whose particulars are given below hereby give notice that the  
nomination filed by me on.....and recorded under your

reference No.....(date)..... shall stand modified  
in the following manner:-

(Here give details of the modifications intended)

**Statement**

1. Name of the employed person in full
2. Sex
3. Religion
4. Whether married/unmarried/widow/widower
5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket No.; or serial No. if any
7. Date of appointment
8. Present address
9. Permanent address

Village..... Than..... Sub-division.....  
Post office..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb impression of  
Date..... the employed person.

**Declaration by witnesses**

Modification of nomination signed/thumb-impressed before  
me

Name in full and full address of Signature of witnessess

1.	1.
2.	2.

Place.....

Date.....

**Certificate by the employer.**

Certified that the above modifications have been recorded  
and entered into in register of nominations in Form D at serial  
No.....

Signature of the employer/officer  
authorised.

Place.....

Date.....

Name and address of the Estab-  
lishment or rubber stamp thereof.

**Acknowledgement by the employed person**

Received the duplicate copy of the notice for modification  
in Form C filed by me on.... duly certified by the employer.

Signature of the employed person

Place.....

Date.....

**Note : Strike out the word s not applicable**

## FORM D

[See sub-rule (1) of rule 3B]

## Register of nominations

Name and Address of the establishment..... Name and address of the employers .. . . . .

## PART-I

Sl. No.	Name and complete address of the em- ployed person	Nature of employ- ment	Name and complete address of the nomina- tes initially nominated in Form A, with date.	Name and address of the nominee sub- sequently nomina- ted in Form B with date	Details of modification, if any, specified in the notices of modification of the nomination given in Form C with date.	Remarks
1	2	3		5	6	7

## PART-II

It shall contain one copy each of the nomination in Form-A and, as the case may be, the fresh nomination in Form-B and notice of modification of nomination in Form-C in serial order indicated in part-I.

## FORM E

[See sub-rule (2) of rule 18A]

## REGISTERED

From:

(Give here name and complete address of the employer).

To

The Chief Labour Commissioner (Central)  
Shram Shakti Bhawan,  
Raj Marg,  
New Delhi (pin : 110001)

Sub : Deposit of amounts of undisbursed wages.

Sir,

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 18A of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules, 1968 I enclose the crossed Demand draft bearing No ..... dated ..... (mention the number (mention the date) for Rs ..... Rupees ..... (Mention the amount in figures) (mention the amounts in words) drawn in your favour obtained from ..... (mention the name and address of the bank)

The above mentioned amounts represent all amounts payable as wages to persons employed in ..... (mention the name and address of the establishment) which remained undisbursed because either no nomination had been made by the employed person(s) or for any reasons such amounts could not be paid to the respective nominee(s) of the person(s). The relevant details are furnished hereunder:

(1) Particulars of the relevant wage period

.....  
(mention the details of the wage period)

2. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undisbursed for want of nomination.

.....  
(mention the number of such cases)

3. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 2 :

Rs. .... . . . (Rupees . . . . .)  
(mention the amounts in figures)

4. No. of cases in which all amounts payable to an employed person wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s)

.....  
(mention the number of such cases)

5. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 4:

Rs. .... . . . Rupees . . . . .  
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

6. Total amounts of undisbursed wages referred to in items 3 and 5

Rs. .... . . . (Rupees . . . . .)  
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

.....  
yours faithfully  
Signature of the employer/officer authorised

Place:

Date

Name and address of the establishment or (राज्य संस्था) thereof.  
Copy without enclosures forwarded for information to the Regional Labour Commissioner (Central)

(mention address)

Signature of the employer/  
officer authorisedPlace  
DatedDesignation  
Name and address of the establishment or rubber stamp thereof

## प्रधिकारी

सा. का. नि. 288(अ) — मजदूरी सदाय (रेल) नियम, 1938 का, जिसे इसमें आगे “उत्तर नियम” कहा गया है, और मनोधन करने के लिए, कलिपण नियमों का निम्नलिखित प्राप्ति जिसे केवल यहारा मजदूरी सदाय प्रधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के माध्यम से उत्तराग (2) और (3) द्वारा प्रदत्त भवितव्यों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाही है, उत्तर प्रधिनियम की धारा 26 की उत्तराग (5) की प्राप्तियानसार ऐसे नामी घटितयों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उसमें प्रधिकारित होने की समावना है। इसके द्वारा वह सूचना भी जाती है कि उत्तर प्राप्ति पर इस प्रधिमूलन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस मास की प्रधिकारी के समाप्ति के पश्चात्, विचार किया जायगा।

2 ऐसे घटितयों या सूचनाओं पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उत्तर प्राप्ति को बाबत किसी घटित के प्राप्त होते, केवल उत्तर प्रधिकार विचार होती है।

## प्राप्ति नियम

मजदूरी सदाय (रेल) मनोधन नियम, 1943

1 इन नियमों का नाम मजदूरी सदाय (रेल) मनोधन, नियम, 1943 है।

2 मजदूरी सदाय (रेल) मनोधन नियम, 1939 के नियम 2 में—

(क) छण्ड (छ) के पश्चात् निम्नलिखित वार्ष अनुस्थानित किया जाएगा, प्रधार्ति—  
(छ) “कुटुम्ब” में घटित है।

(1) पुरुष नियोजित घटित के मामले में उसकी पत्नी उसकी सनाने, आठ वेद विचाहित हैं या अविवाहित, उसके घटित माना पिता या उसके मृतक पुत्रों की विवाहाएँ और सनाने,  
(2) स्त्री नियोजित घटित के मामले में उसका पति, उसकी सनाने, आठ वेद विचाहित हैं या अविवाहित, उसके घटित माना पिता, उसके पति के घटित माना पिता और उसके मृतक पुत्रों की विवाहाएँ और सनाने।”

“2क नामनिर्देशन (1) वह नियोजित घटित, जो मजदूरी सदाय (रेल) मनोधन नियम, 1943 के प्राप्ति की तारीख का नियोजित घटित जो उत्तर नियम के प्राप्ति की नामनिर्देशन के पश्चात् नियोजित किया जाता है, भाग्यरणतया ऐसी तारीख से माठ विन के भीतर और वह नियोजित घटित जो उत्तर नियम के प्राप्ति की नामनिर्देशन के पश्चात् नियोजित किया जाता है, भाग्यरणतया ऐसे नियोजित के दिन से तीस दिन के भीतर, किसी घटित का नामनिर्देशन करके उसे वे सभी रकम प्राप्त करने का घटिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित घटित की मजदूरी के रूप में है जिसनु जो मंदाय किए जाने के पूर्व, नियोजित घटित की मृत्यु हो जाने वा माठ पर या उसका धता छिन्ना जाने के कारण उसे मही भी आ मरती भी या नहीं दी जा सकती है। नियोजित घटित प्रदान या में नामनिर्देशन, करके उसकी भी प्रतियों वेतन दाता पर, वा तो घटितपत

क्षम में तामील करके और उसकी प्राप्ति की उचित रक्षेद प्राप्त करके या उसे रक्षीदी जिस्मीकृत शाक से भेज वर उसको नामील बेतनदाता पर करेगा।

परन्तु बेतनदाता, प्रधार क म नाम निर्देशन, ऐसे विनिर्दिष्ट घटित के भवान के पश्चात् भी, स्वीकार कर लेगा यदि उसमें साथ विवर के उचित आधार प्रम्भुत किए जाते हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी नामनिर्देशन मूल्यन्वय इस कारण घटितपत्ति नहीं होगा कि वह एसी विनिर्दिष्ट घटित के प्रबन्ध का फाइल किया गया है।

(2) उपनियम (1) के प्रधार प्रधार क म नामनिर्देशन की प्राप्ति वे तीस दिन ले भीतर बेतनदाता, नियोजित घटित की, नामनिर्देशन प्रधार में उस उत्तर विनिर्दिष्ट सेवा विनिर्दिष्ट, तेवें घटितवालों के प्रति नियोजित में सत्यापित कराएगा और प्रधार क म नामनिर्देशन की दूसरी प्रति जिसे बेतनदाता ने वा उसके द्वारा इस नियोजित घटितपत्ति किसी अधिकारी ने सम्बन्धित कराएगा और प्रधार क म नामनिर्देशन की दूसरी प्रति जिसे बेतनदाता ने वा उसके द्वारा इस नियोजित घटितपत्ति किसी अधिकारी ने सम्बन्धित कराएगा और प्रधार पर इस बाबत की प्रत्येक हांगी कि बेतनदाता वा नामनिर्देशन घटितपत्ति कर लिया है और नामनिर्देशन की अन्य घटित नियम 2के उपनियम (1) में विहित रीति में घटितपत्ति घोर काइल की जाएगी।

(3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित घटित का कोई कुटुम्ब है तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी घटित के ही पक्ष में किया जाएगा। यदि कोई नामनिर्देशन ऐसे किसी घटित क ही पक्ष में किया जाता है तो नियोजित घटित के कुटुम्ब का घटित नहीं है तो वह घूम द्वीगा।

(4) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित घटित का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी घटित के पक्ष में किया जा सकता है किस्तु यदि वाव में नियोजित घटित का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुरन्त भूत्यु कुटुम्ब समझा जाएगा और नियोजित घटित, कुटुम्ब बनते से तीस विन के भीतर, उपनियम (1) में घटितपत्ति घटित वेतनदाता को प्रधार आ में वो प्रतियों में एक नका नामनिर्देशन प्रस्तुत करेगा और तत्परताव उपनियम (2) के उपरबूथ यदावावयक परिवर्तनी लहित उसी प्रकार लागू होगे मानव नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नामनिर्देशनी की मृत्यु नियोजित घटित के पूर्व हो जाती है तो नामनिर्देशनी का हित नियोजित घटित की प्रतिवर्तन हो जाएगा और नियोजित घटित नामनिर्देशनी की मृत्यु वे विन से तीस दिन की घटित के भीतर इसमें आगे उपरबूथ रीति, म नया नामनिर्देशन करेगा।

(6) नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना जिसके अन्तर्गत ऐसे मामले भी हैं जिसमें नामनिर्देशनी की मृत्यु नियोजित घटित में पहले हो जाती है, सूचना वेतनदाता का प्रधार ग म में वो प्रतियों में, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति, में वी जाएगी और सत्यापन उपनियम (2) के उपरबूथ यदावावयक परिवर्तन सहित उसी प्रकार लागू होगे मानव नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित घटित किसी अप्राप्त घटित को नामनिर्देशन नहीं करेगा।

(8) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन वा नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना पर नियोजित घटित हस्ताक्षर करेगा यदि वह साक्षर नहीं है तो वह उस पर घमने घगूठने का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर वा घगूठने का निशान वो साक्षियों की उपस्थिति में लगाया जाएगा जो, यथाविधि, नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन वा नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना में इस वाव की एक घोषणा पर भी हस्ताक्षर करेगे।

(9) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन वा नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना उस तारीख में प्रभावी होगी जिस तारीख को वे बेतनदाता

**अन्य—नामनिर्देशन रजिस्टर** (1) बेतनदाता नामनिर्देशन रजिस्टर में व्याख्यिति, नामनिर्देशन पत्र, एवं नामनिर्देशन पत्र और नामनिर्देशन उपनियम की सूचनाएँ अधिनियमित भौति काइल करेगा। बेतनदाता इस रजिस्टर को प्रैक्टिकल में कालानुक्रम से रखेगा।

(2) बेतनदाता नामनिर्देशन रजिस्टर अक्षम रूप से रखेगा और स्थायी रूप से उसे कार्यस्थल पर रखेगा और यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखने से कोई अनुचित महसूस करता है तो वह ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस निमित्त अनुमोदित करे।

(3) नाम निर्देशन रजिस्टर प्रमाण्यता अधिकारी में रखा जाएगा, किन्तु यदि वह अपेक्षी से भिन्न किसी भाषा में रखा जाता है तो अपेक्षी में उसका सही अनुवाद भी उपलब्ध कराया जाएगा।"

4. विद्यमान नियम 9 के उपनियम (1) के रूप में तुन: संक्षाकित किया जाएगा और निम्नलिखित उप नियम 9 के उप नियम (2) के रूप में अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात्—

"(2क) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित अधिकारी होगा जिसके पास अधिनियम की धारा 25 की उपशारा (1) के बाघ (आ) के अधीन नियमित किए जाने के लिए अपेक्षित रकमें नियमित की जाएंगी और वह इस प्रकार नियमित रकमों को नियम 18 का में विहित रीति में बरतेगा।"

5. नियम 18 के पश्चात निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे अर्थात्—

"18क अंतःवितरित मजदूरी की रकम का नियोजन—

(1) यदि किसी भौति बेतनदाता नियोजित अधिकारी को मजदूरी के रूप में देव सभी रकमें इस कारण अंतःवितरित रक्षा पाती है कि या तो नियोजित अधिकारी ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है यह ऐसी रकमें देय हो जाने की तारीख से एक वर्ष के पश्चात नक नियोजित अधिकारी के नाम निर्विविती की किसी कारणबाट संदेत नहीं की जा सकी है तो ऐसी सभी रकमें उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात से पन्द्रह दिन के अवधान से सूचन नियोजक मुख्य आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियमित कर देगा।

(2) बेतनदाता उपनियम (1) में निर्दिष्ट रकमें मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिल्ली के पक्ष में भारत में किसी अनुसूचित अंक से प्राप्त क्रास्ट मांग देय ड्राफ्ट हारा नियमित करेगा और ऐसा मांगदेय ड्राफ्ट मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को प्रैक्टिक 6 में सुनाग व्यक्ति के माध्यम रजिस्ट्रीकॉन डाक से भेजेगा और उसके पाय ही उसकी एक प्रति संबंधित प्रावेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को भी भेजेगा।

18क. रकमों को बरनने की रीति :

(1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 18 के अधीन नियमित रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के संबंध में उपगत व्ययों की पूरा करने लिए करेगा जो उसकी राय में रेल में नियोजित अधिकारी के कल्पण की अभिवृद्धि करने के लिए अवश्यक या समीरीम हैं और विशिष्टतः उनका उपयोग भौति के नियोजित अधिकारी के कायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा अर्थात्—

- (i) शैक्षिक मुक्तिवालों की व्यवस्था और मुधार;
- (ii) आमोद-प्रमोद में संबंधित मुक्तिवालों की व्यवस्था और मुधार;
- (iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और मुधार;

(iv) व्याख्यायिक प्रभावण तथा अशक्त और विकासी व्यक्तियों के पुनर्जीवन की व्यवस्था और मुधार;

(v) परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था और मुधार।

(2) किसी भौति के संबंध में नियोजित व्यक्तियों के ऐसे इवान्याय सभ द्वारा जो व्यवसाय सभ अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकॉन है बेतनदाता उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत अवश्यक व्यवस्था की संबंधित अधिकारी को प्रतिवृत्ति बुझ श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वयंबेकानुसार पूर्णतः भागतः कर सकता है परन्तु यह तब जब उसका समाधान हो जाए कि संबंधित अधिकारी ने ऐसा अवश्यक उपनियम (1) में विशिष्ट किसी सदकाविक प्रयोजन के लिए ही बस्तुतः उपगत किया है।

8. उक्त नियमों के प्रैक्टिक 3 में—

(क) मद 3(ग) और मद 5 में प्रस्तुत "1000" अंकों के स्थान पर "1600" अंक रखे जावेंगे;

(ब) मद 7 के पश्चात निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएंगी अर्थात्—

8. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियमित अंतःवितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

1600 इ० अंत मास से कम पास वाले अधिक

मामलों की रकम तथा

(क) वे मामले जिनमें नाम—निर्देशन न होने के कारण मजदूरी अंतःवितरित रह गई है।

(ब) वे मामले जिनमें मजदूरी नियोजित अधिकारी (व्यक्तियों) द्वारा नाम—निर्देशन अधिकारी (व्यक्तियों) को किसी कारणबाट संदेत नहीं की जा सकी है।

7. उक्त नियमों के प्रैक्टिक 4 में—

(क) मद 1 में "400" अंकों के स्थान पर "1600" अंक रखे जावेंगे।

(ब) मद 9 की उपमध 2 (2) के बाघ

(क) में "प्रति रुपये अद्य आने" गढ़ों के स्थान पर "उम मजदूरी अधिकारी के संबंध में जिसमें जुर्मान अधिग्रोपित किया गया है, उसे रेप मजदूरियों के प्रतिशत" शब्द रखा जावेंगे;

(ग) मद 12 में, "केन्द्रीय मंत्रालय" शब्दों के पश्चात "या मुख्य श्रम आयुक्त केन्द्रीय" शब्द और कोण्ठक जीड़ दिए जावेंगे;

(घ) मद 12 के पश्चात निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएंगी अर्थात्—

"12-क. नियोजित अधिकारी के लियाँ प्राधिकार में ऐसी किसी सिधि में जो या तो बेतनदाता या व्यवसाय संघ अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकॉन किसी व्यवसाय सभ ने, नियोजित अधिकारी या उसके कुटुम्ब के ददयों या बोलों के कल्पण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय मंत्रालय ने या इस नियमित उसके द्वारा विशिष्ट किसी अधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिकार के सदाचार के लिए काटोलियों ऐसे अनुमोदन के बने रहने के पौरान की जा सकती है।

(इ) मद 14 के पश्चात नियोजित भव संघर्ष अंतःस्थापित की ।  
जाएगी, अर्थात् :—

“14क नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से, व्यवसाय संघ अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकॉर्ट किसी व्यवसाय भव की संवस्था के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय कीमतों के मंदाय के लिए कठोरियां की जा सकती है ;”

(च) मद 15 में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात् “या मुक्त थम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोण्ठक जोड़ दिए जाएंगे ;

(छ) मद 19 के पश्चात् नियोजित भव और भव अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्—

“अमंत्रित मजदूरी का मंदाय”

19.क (1) यदि मजदूरियों के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय रकमों का मंदाय, ऐसे संघर्ष से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पास ठिकाना जात नहोने के कारण या सकाना है तो ऐसी रकमों का मंदाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा किसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस नियमित नामसंदर्भित किया है।

(2) यदि मजदूरी इस कारण असंक्षिप्त रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामसंदर्भित नहीं किया है या ऐसी रकमें नियोजित व्यक्ति के नाम नियोजिती को, ऐसी रकमों के देय होने को तारीख से एक वर्ष के अवसान के पश्चात् नक, संघर्ष नहीं की जा सकी है तो बेतनदाता ऐसी अमंत्रित मजदूरियों की सभी रकमें उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात् में 15 दिन के अवसान से पूर्व, मुक्त थम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिलनी के पास नियक्त कर देगा ।

नियोजित रकमों को बरतने की रुलि

19.क (1) मुक्त थम आयुक्त (केन्द्रीय) अपने पास नियोजित असंक्षिप्त मजदूरियों की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों से संबंधित व्यय को पूरा करने के लिए करेगा जो ऐन के किसी स्थापनों में नियोजित व्यक्तियों के काल्पनिक की अभिवृद्धि के लिए किए जाते हैं और विधिष्ठत उनका उपयोग ऐनों में नियोजित व्यक्तियों के कायदे के लिए किए गए उपायों, उदाहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की शिक्षा, अमोद-प्रमोद और परिवहन सुविधाओं, पारिवार नियोजन समिति परिवार कल्याण, व्यवसायिक प्रणिति और अग्रणी नशा विकास व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और विकास कार्य के खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा ।

(2) किसी ऐन या किसी ऐन में नियोजित व्यक्तियों के किसी ऐसे व्यवसाय संघ के संबंध में, जो व्यवसाय थम अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकॉर्ट है, किसी बेतनदाता द्वारा इस प्रकार उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूति मुक्त थम आयुक्त (केन्द्रीय), व्यवसायिक नुसार पूर्णतः या मात्रा कर सकता है ।

[नं० एस० 31012/9/32डब्ल्यू०सी० (पी०डब्ल्यू०)]

विषयस्थान नाम, अवर मञ्चित

प्राविष्टक

[नियम 2 वा का उपनियम (1) विविध]

नाम निर्देशन

भेवा में

(यहां बेतनदाता का नाम और पता लिखिए)

मे..... किसकी विधिष्ठता नीचे विवरण में दी गई है,  
(पूरा नाम)

नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नाम निर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देख सभी रकमें उम द्वारा में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब ऐसी रकमें, उनके वंदय से पूर्व ऐसी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता ठिकाना जान न होने के कारण मुझे संवत नहीं की जा सकती है या वंदन नहीं की जा सकती है ।

2. मे..... प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नाम निर्देशन किया है यह मजदूरी सदाय (रेल) नियम, 1938 के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ से मेरे कुटुम्ब का सदस्य है ।

3. मे..... छांगण करता हूँ कि उनमे नियमों के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य मेरा कोई कुटुम्ब बन जाता है तो उक्त नाम निर्देशन गृह्य हो जाएगा और उम द्वारा मे..... मे प्रहृष्ट रूप में एक नया नाम निर्देशन करेगा ।

4. (क) मेरे पिता/माता/माता-पिता मुझे पर आश्रित नहीं हैं ।

(ब) मेरे पति के जिसा /माता/पिता मे..... पति पर आश्रित नहीं है ।

नाम-निर्देशिती

नाम निर्देशिती का नाम और पता	नियोजित व्यक्तियों के माप नाम निर्देशिती की नाम निर्देशिती की नामधारी आप
---------------------------------	---

1	2	3
---	---	---

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम

2. लिंग

3. धर्म

4. क्या अविवाहित/विवाहित/विधवा/विधूर है

5. उम विभाग (शास्त्रा) अनुभाग का नाम जिसमे नियोजित है ।

6. धारित पद तथा टिकट संख्यांक का क्रम संख्यांक, यदि कोई है ।

7. नियुक्ति की तारीख

8. वर्तमान पता :

9. स्थायी पता :

ग्राम..... पाना..... उपखण्ड.....

आक्षर्य..... जिसा..... राज्य.....

स्थान.....

तारीख.....

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे का

## साक्षियों द्वारा घोषणा

नाम निर्देशन पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए/अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता

साक्षियों के हस्ताक्षर

1.

1.

2.

2.

स्थान : .....

तारीख : .....

बेतनदाता का प्रमाणान्तर

प्रभाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपास्तरण अधिनियमित कर लिए गए हैं और हन पर प्रहृष्ट व मेरे नाम निर्देशन के रजिस्टर में नाम संग्रहाक अभिलिखित कर लिया गया है।

बेतनदाता प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान : .....

तारीख : .....

पद नाम

बेतनदाता का नाम और पता या  
उसकी रक्ख मुद्रा

## नियोजित व्यक्ति की अभिलिखित

मेरे द्वारा प्रहृष्ट क में फाइल किए गए नामनिर्देशन की विविच्छ प्रति, जिसे बेतनदाता ने सम्मक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान : .....

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख : .....

टिप्पणी—ओह आवश्यक या पैरा सागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

## प्रहृष्ट का

[नियम 2 (क) का उपचयम (4) देखिए]

नया नामनिर्देशन

सेवा में

(महा बेतनदाता का नाम और पता दीजिए)

मेरे \_\_\_\_\_ का, जिसकी विविच्छया मेरों विवरण  
(पूरा नाम)

वी गई है, यह कहन करता हूँ कि मझदूरी संवाद (रेल), नियम, 1938  
नियम 2 के बाब्द (सभा) के अर्थ में नीचे उपलिखित रौप्य में —

तारीख से मेरा भुद्धम बन गया है।

मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नया नामनिर्देशन, मझदूरी के रूप  
मुझे देय सभी रकमें उस वक्ता में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब  
रकमें, उनके रकमों के संवाद से पूर्व मेरी मुस्तू हो जाने के कारण या  
मेरा पता छिकाना शर्त न होने के कारण मुझ संदेत न की जा सकती  
त संदेत नहीं की जा सकती है।

2. मेरे प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मेरे नामनिर्देशन किया  
है उक्त नियमों के नियम 2 के बाब्द (सभा) के अर्थ में मेरे  
का सदरम है।

(क) मेरे माता पिता / माता-पिता मुख पर जात्रित नहीं है;

(क) मेरे पति के पिता / माता / माता-पिता मेरे पति पर आधिन

## नामनिर्देशनी

नामनिर्देशनी का नाम  
और पता

नियोजित व्यक्तियों के नामनिर्देशनी की आधु  
साध नामनिर्देशनी की  
नातेवारी

1

2

3

## कुदुम्ब बन जाने की रीति

(वहाँ इस बाबत ब्यौरी दीजिए कि कुदुम्ब किस प्रकार बना है अर्थात्  
विवाह विवाह या माता पिता के आधित हो जाने के कारण या वक्तक  
शहू जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

## विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूर्य नाम

2. लिंग

3. वर्ग

4. या अधिवाहित / विवाहित / विवेचना/विधुर है

5. उस विभाग (आवाह) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है

6. वारित पद तथा टिकट संबंधी या कर विवाक विविध शर्तें हैं

7. नियुक्ति की तारीख

8. वर्तमान पता

9. स्थायी पता

स्थान : ..... शर्ता : .....

उपराज्य : ..... वाक्तव्यान्त : .....

जल्दा : ..... राज्य : .....

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे  
का निशान

स्थान : .....

तारीख : .....

## साक्षियों द्वारा घोषणा

मेरे नामनिर्देशन पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए / अंगूठे का निशान  
लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता वाक्तव्यों के हस्ताक्षर

1.

2.

स्थान : .....

तारीख : .....

## बेतनदाता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन के विचिट्ठियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें कम संक्षेप पर, प्रस्तुत व में नामनिर्देशन रजिस्टर में अभिलिखित कर लिया गया है।

बेतनदाता प्राधिकृत अधिकारी के  
हस्ताक्षर पत्रनाम  
स्थान का नाम और पता या  
उसको रखने वाले मुश्तक

स्थान

तारीख

## नियोजित व्यक्ति को अधिसूचित

मेरे द्वारा प्रस्तुत ग में फाईल किए गए नामनिर्देशन को डिसेप्टि प्रति, जिसे बेतनदाता ने सम्पूर्ण प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की स्थान

## नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख

टिप्पणी जो मम्ब या पैरा लाभ नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

[प्रस्तुत ग]

## [नियम 2 का उत्तरायण (6) देखिए]

## नामनिर्देशन का उपान्तरण

सेवा में,

(यहा बेतनदाता का नाम और तारीख)

मैं ————— जिसकी विचिट्ठा नीचे दी गई है, सूचना  
(पूरा नाम)

देता हूँ कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख ————— को फाईल किया है और जिसे आपने निर्वेश सं० ————— पर तारीख ————— को अभिलिखित किया गया है, उसमें निम्नलिखित रूप में उपान्तरण किए जाएँगे :

(यहा आशयित उपान्तरणों के बारे दीजिए)

## विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित / विवाहित/विवशा / विवृत है
5. उस विवाह (याका अवृत्ति का नाम जिसमें नियोजित है

## प्रस्तुत ग

## [नियम 3 वा का उत्तरायण (1) देखिए]

## नाम निर्देशन रजिस्टर

स्थापन का नाम और पता

कम नियोजित व्यक्ति का नियोजित की प्रस्तुत ग में साम-  
सं० नाम और पूरा पता प्रकृति

की प्रस्तुत ग में सामनिर्देशित प्रस्तुत ग में किए गए नाम- टिप्पणिया  
निर्देशित की प्रस्तुत ग में सामनिर्देशित प्रस्तुत ग में किए गए नाम- टिप्पणिया  
निर्देशित की प्रस्तुत ग में सामनिर्देशित प्रस्तुत ग में किए गए नाम- टिप्पणिया  
निर्देशित की प्रस्तुत ग में सामनिर्देशित प्रस्तुत ग में किए गए नाम- टिप्पणिया  
निर्देशित की प्रस्तुत ग में सामनिर्देशित प्रस्तुत ग में किए गए नाम- टिप्पणिया

## भाग-1

बेतनदाता का नाम और पता

## 5

1

2

3

4

6

7

## भाग 2

यथास्थिति इसमें प्रकृत ग में किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन प्रकृत ग में किए गए प्रत्येक लए नाम निर्देशन तथा प्रकृत ग में नामनिर्देशन में किए गए अपान्तरण की एक-एक प्रति, भाग 1 में उपर्युक्त कम के अनुकार होगी।

6. धारित पद का टिकड संहारक या कम संवर्धक, यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. बर्तमान पता
9. स्थायी पता

ग्राम ————— जात —————  
उपज़िला ————— डाकघासीना —————  
जिला ————— राज्य —————  
स्थान —————

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/  
प्रांठ का निश्चय

## साक्षियों द्वारा शोषणा

उपान्तरण नाम निर्देशन पर मेरे समझ हस्ताक्षर हिए गए प्रांठ का निश्चय लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

1.

1

2.

2

स्थान —————

तारीख —————

## बेतनदाता का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपान्तरण अभिलिखित कर दिए गए हैं और उन्हें प्रस्तुत ग में नामनिर्देशन रजिस्टर में कम संवर्धक हैं पर अभिलिखित और प्रविष्ट कर दिया गया है।

बेतनदाता/ प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर  
पत्रनाम

स्थान का नाम और पता या रखड मुश्तक

स्थान —————

तारीख —————

## नियोजित व्यक्ति की अधिसूचित

मेरे द्वारा प्रस्तुत ग में फाईल किए गए माननिर्देशन से डिसेप्टि प्रति, जिसे बेतनदाता ने सम्पूर्ण प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान —————

तारीख —————

टिप्पणी— जो मम्ब या पैरा लाभ नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

## प्रृष्ठ क

[नियम 18 का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक :

(यहाँ बेतनदाता का नाम और पूरा पता लिजिए)

संकेत में

मुख्य अम आयुक्त (केन्द्रीय)  
अम अधिकारी भवन, रोड़ी मार्ग,  
मही दिल्ली - 110001

विषयः— असंचितरित मजदूरी की रकम का निम्नेप

महोदय,

मजदूरी संदाय (रेल) नियम, 1938 के नियम 18 के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के अधीन यथा अपेक्षित रूप में मैं—

— आपके पक्ष में अधिग्राह्य —  
(बैंक का नाम और पता लिजिए) (अंकों में)

— रूपये का क्रास भौगवेय ड्राफ्ट सं—  
(शब्दों में) (सं का उल्लेख कीजिए)

तारीख — संलग्न फरमाइ हैं

(तारीख का उल्लेख कीजिए)

उपर उल्लिखित रकमें वे रकम हैं जो ——————  
(स्थापन का नाम और पता लिजिए)

मैं नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी के रूप में देय है तथा जो नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणकारण नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने अपने सामनिर्देशित (नामनिर्देशितियों) को ऐसी रकम संदेत न की जा सकने के कारण असंचितरित रह गई है। मुझसे व्यारे भीजे विए गए हैं :—

1. सुरक्षित मजदूरी अवधि की  
विविधिया (मजदूरी अवधि के ब्यारे दीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें  
नामनिर्देशन न होने के कारण  
नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के  
रूप में देय सभी रकमें अर्थ-  
वितरित रह गई है  
(ऐसे मामलों की संख्या लिजिए)

3. नव 2 में निर्दिष्ट मामलों में  
असंचितरित मजदूरी की कुल रकम

रु. (अंकों में) रु. (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या में  
जिनमें मजदूरी के रूप में किसी  
नियोजित व्यक्ति को देय सभी  
समस्त रकमें, नियोजित व्यक्ति  
(व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित  
व्यक्ति (व्यक्तियों) को संदेत  
नहीं की जा सकते हैं  
(ऐसे मामलों की संख्या लिजिए)

5. नव 4 में निर्दिष्ट मामलों में  
असंचितरित मजदूरी की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

6. नव 3 और 5 में निर्दिष्ट अमं-  
वितरित मजदूरी की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

भवदीय,

वेतनमान/प्राधिकृत अधिकारी के  
हस्ताक्षर

पर्वनाम

स्थापन का नाम और पता या  
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान ——————

तारीख ——————

एक प्रति जिसके साथ संलग्नक नहीं है, जारीकारी के लिए प्रादेशिक  
आयुक्त (केन्द्रीय) —————— को अप्रेयित की गई<sup>पता</sup>

वेतनदाता/प्राधिकृत अधिकारी के

हस्ताक्षर

पर्वनाम

स्थापन का नाम और पता या  
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान:.....

तारीख:.....

## NOTIFICATION

G.S.R. 288 (E) The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Railways) Rules 1938 herein after referred to as the said rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act 1936 (4 of 1936), is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of the publication of this notification in the official Gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

## DRAFT RULES

## Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983

1. These rules may be called the Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983.

2. In rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938, after clause (g), the following clause shall be inserted, namely :

"(gg) "family" means—

(i) In case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and his deceased sons' widows' and children.

(ii) In case of a female employed person, her husband, her children whether married or unmarried, her dependent parents, her husband's dependent parents and her deceased sons' widows' and children."

3. After rule 2, the following rules shall be inserted, namely :—

"2A nominations—(1) In case an employed persons is already in employment on the date of commencement of Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983, ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of the commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages, if such amounts could not or cannot be paid

on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form A and submitted in duplicate by the employed person by personal service after taking proper receipt therefor or by sending through registered post with acknowledgement due to the pay master:

Provided that nomination in Form A shall be accepted by the pay master even after the expiry of the specified period, if filed with reasonable grounds for delay, and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

- (2) Within 30 days of the receipt of the nomination in Form A under sub-rule (1), the pay master shall get the service particulars of the employed person, as mentioned in form of nomination, verified with reference to the records of the railway or as the case may be, the contractor and returned to the employed person after obtaining a receipt therefor, the duplicate copy of the nomination in Form A duly attested either by the pay master or an officer authorised in this behalf by him as a token of recording of nomination by the pay master and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 2B.
- (3) If an employed person has a family at the time of making nomination, the nomination shall be in favour of person belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family shall be void.
- (4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employed person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1) a fresh nomination in duplicate in Form B to the pay master and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).
- (5) If the nominee pre-deceases the employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall within a period of 30 days from the death of the nominee make a fresh nomination in the manner hereinafter provided for.
- (6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person, shall submit in duplicate in Form C to the pay master in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made in sub-rule (1).
- (7) The employed person shall not nominate a person who is a minor.
- (8) A nomination or a fresh nomination or notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or, if illiterate bear his thumb impression in the presence of two witnesses, who shall also sign a declaration to that effect in the nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination, as the case may be.
- (9) A nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the pay master.
- 2B. Register of nominations.—(1) The pay master shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations as the case may be in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the pay master in Form D.

(2) The register of nominations shall be maintained by the pay master up-to-date and kept permanently at the work-spot or where the pay master experiences difficulty in keeping them at the work-spot, at any other suitable place, as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

(3) The register of nominations shall normally be maintained in English but where it is maintained in any other language than English, a true translation thereof in English shall be available."

4. The existing rule 9 shall be renumbered as sub-rule (1) and the following sub-rule shall be inserted as sub-rule (2) of rule 9 namely :

"(2) The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 18B."

5. After rule 18, the following Rules shall be inserted, namely :

"18A. Deposit of amount of undisbursed wages.—(1) Where all amounts payable as wages to a person employed by the pay master remains undisbursed because either no nomination has been made by the employed person or for any reasons, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the 15th day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the pay master through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi, and such demand draft shall be submitted by the pay master to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form VI by registered post simultaneously endorsing its copy to the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

18B Manner of dealing with amounts— (1) The amounts deposited under rule 18A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed upon railways, and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed upon railways directed towards—

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare, including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- (v) the provision and improvement of transport facilities.

2. The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by a pay master or a trade union registered under the Trade Union Act, 1926 of persons employed upon railways may be reimbursed to the persons concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion, provided he is satisfied that the expenditure has been actually incurred by that person for the bona fide purpose specified in sub-rule (1)."

6. In form III of the said rules—

- (a) for the figures "1000" appearing at items 3(c) and 5, the figures "1,600" shall be substituted;

(b) after item 7, the following items shall be inserted, namely—  
 “8. No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central);

Persons receiving less than Rs. 1000 per month  
 No. of Amount  
 cases

(a) Case in which wages remained undisbursed for want of nomination.  
 (b) Cases in which wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s) for any reasons".

7. In Form IV of the said rules,—

7. In form IV of the said rules,—

(a) in item 1, for the figures "400" the figures, "1,600" shall be substituted;  
 (b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words "half anna in the rupee", the words, "three per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed" shall be substituted;  
 (c) in item 12, after the words "Central Government", the words and the brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added;  
 (d) after item 12, the following item shall be inserted, namely—

"12-A Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the pay master or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the member of their families or both and approved by the Central Government or any officer specified by it in this behalf during the continuance of such approval".

(e) after item 14, the following item shall be inserted, namely—

"14A Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926."

(f) in item No. 15 after the words "approved by the Central Government", the words and brackets, "or the Chief Commissioner (Central)", shall be added.  
 (g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely—

"Payment of undisbursed wages"

19A. (1) If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account to his death before payment or on account of his whereabouts not known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remain undisbursed because no nomination had been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages shall be deposited by the pay master with the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

#### Manner of dealing with deposited amounts

19B. (1) The amounts of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed upon railways particularly to

defray the cost of measures for the benefit of persons employed by the railways, such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare including family planning, vocational training and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by a pay master or a trade union of persons employed upon railways, registered under the Trade Unions Act, 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

[F. No. S. 31012/8/82-WC(PW)]

BISHAMBHAR NATH, Under Secy.

#### FORM A

[See sub-rule (1) of rule 2B]

#### Nomination

To

(Give here name and address of the paymaster)

I. ....

(name in full here)

whose particulars are given in the statement below, hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment of on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form B.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependant upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependant on my husband.

#### Nominee

Name and address of the nominee	Nominee relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3
1		
2		
3		
4		
5		

#### Statement

1. Name of the employed person in full.

2. Sex

3. Religion

4. Whether married unmarried/widow/widower.

5. Department/Branch/Section where employed.

6. Post held with ticket No. or, serial No., if any.

7. Date of appointment.

8. Present address.

9. Permanent address :

Village..... Thana..... Sub-division.....

Post Office..... District..... State.....

Place.....

Date.... Signature/thumb impression of the employed person

## Declaration by Witnesses

Nomination signed/thumb-impressed before me.

Name in full and full address of Signature of witness

1. 1.  
2. 2.

Place.....

Place.....

## Certificate by the Paymaster

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form D at the Serial No.....

Signature of the Paymaster/Officer authorised

Place.....

Date.....

## Designation

Name and address of the Paymaster or rubber stamp thereof.

## Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of nomination in Form A filled by me and duly certified by the paymaster

Place.....

Date.....

Signature of the employed person

Note:-Strike out the words and paragraphs not applicable

## FORM B

(See sub-rule (4) of rule 2A)

## Fresh nomination

To

(Give here name and address of the paymaster)

I, .....  
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938 with effect from . . . (date here).....(in the manner indicated below and therefore nominate afresh the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

## Nominee

Name and address of the nominee	Nominee's relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3
1		
2		
3		

## Manner of acquiring a "family"

(Here give details as to how a family was acquired, i.e. whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process, like adoption).

## Statement

1. Name of the employed person in full.
2. Sex ..
3. Religion.
4. Whether unmarried/married/widow/widower.
5. Department/Branch/Section/where employed.
6. Post held with ticket No. or serial No. if any.
7. Date of appointment.
8. Present address.
9. Permanent Address

Village . . . Thana..... Sub-division . . .

Post Office..... District . . . State.....

Place..... Signature/thumb-impression of

Date..... the employed person

## Declaration of witness:

Fresh nominations/signied/thumb-impressed before me.  
Name in full and full address of Signature of witness  
1. . . . .  
2. . . . .

Place .....

Date.....

## Certificate by the paymaster

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in register of nominations in Form D at serial No. ....

Signature of the paymaster/officer authorised

## Designation

Place..... Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

## Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of nomination in Form B filled by me and duly certified by the paymaster.

Signature of the employed person

Place .....

Date.....

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

## FORM C

(See sub-rule (6) of rule 2)

## Modification of nomination

Give here name and address of the paymaster).

I, . . . . . (name in full here)  
whose particulars are given below, hereby give notice that the nomination filed by me on . . . . . and recorded under your reference no. . . . . . (date) . . . . .  
No. . . . . . (dated) . . . . . shall stand modified in the following manner:-

(Here give details of the modifications intended)

Statement		
1. Name of the employed person in full.		
2. Sex.		
3. Religion.		
4. Whether unmarried/married/widow/widower.		
5. Department/Branch/Section where employed.		
6. Post held with ticket No., or serial No., if any.		
7. Date of appointment.		
8. Present address.		
9. Permanent address:		
Village.....	Thana.....	Sub-division.....
Post Office .....	District.....	State.....

Place..... Signature/thumb-impression of the  
Date..... employed person

## Declaration by witness(es)

Modification of nomination signed/thumb-impression  
before me.

Name in full and full address of	Signature of witnesses
1.	1.
2.	2.
Place.....	
Date.....	

## Certificate by the paymaster

Certified that the above modifications have been recorded  
and entered into in the register of nominations in Form D at  
serial No.....

Signature of the paymaster/officer authorised. Designation
Place .....
Date.....

Name and address of the establish-  
ment or rubber stamp thereof

Acknowledgement by the employed person  
Received the duplicate copy of the notice for nomination  
in Form C filed by me on. .... duly certified by the pay-  
master.

Place.....	Signature of the employed person
Date.....	

Note :—Strike out the words not applicable.

## FORM—D

[See sub-rule (1) of rule 2 B]

## Register of nominations

Name and address of the establishment..... Name and address of the Paymaster.....

## PART—I

Sl. No.	Name and complete address of the employed person	Nature of employment	Name and complete address of the nominee initially nominated in Form A with date	Name and address of the nominee subsequently nominated in Form B with date	Details of modifications, if any, specified in the notice of modification of the nomination given in Form C with date	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

## PART-II

It shall contain one copy each of the nomination in Form A and, as the case may be, the fresh nomination in Form-B and notice of modification of nomination in Form-C in serial order indicated in part-I.

## FORM VI-A

[See sub-rule (2) of rule 18A]

Form : REGISTERED  
(Give here name and complete address of the  
Paymaster)

To.

The Chief Labour Commissioner (Central),  
Shram Shakti Bhawan,  
Rafi Marg,  
New Delhi (Pin : 110 001)  
Subject:—Deposit of amount of undisbursed wages.

Sh.

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule  
18A of the Payment of Wages (Railways) Rules 1938. I

enclose the crossed demand draft bearing No.....  
(mention the number)

dated ..... for Rs. ....  
(mention the date) (mention the amount in figures)  
Rupees.....  
(mention the amount in words)

drawn in your favour obtained from .....  
(mention the name and  
address of the Bank)

The above mentioned amounts represent all amounts payable  
as Wages to person employed in.....  
(mention the name and address of the establishment)

Which remained undisbursed because either no nomination  
had been made by the employed person(s) or for any reasons  
such amounts could not be paid to the respective nominee(s)

of the employed person(s). The relevant details are furnished hereunder:—

1. Particulars of the relevant wage-period:

.....  
(Mention the details of the wage period)

2. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undisbursed for want of nomination:

.....  
(mention the number of such case(s))

3. Total amount of undisbursed wages in cases referred to in Item 2 :

Rs..... (Rupees.....  
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words))

4. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s):

.....  
(mention the number of such case(s))

5. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 4:

Rs..... (Rupees.....  
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words))

6. Total amounts of undisbursed wages referred to in item 3 and 5 :

Rs..... (Rupees.....  
(mention the amount in figures) (mention the amounts in words))

Yours faithfully,

Signature of the Paymaster/officer authorised

Place.....

Designation

Date.....

Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

Copy without enclosure is forwarded for information to the Regional Labour Commissioner (Central) .....  
(mention address).

Signature of the paymaster/officer authorised

Place.....

Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

